Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-20 16-31 अक्टूबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

पूर्वोत्तर के राज्य आज शांति, विकास और समृद्धि के लिए जाने जाते हैं : जगत प्रकाश नड्डा

'गुजरात भाजपा सरकार के शासन में व्यापक बदलाव का साक्षी बना'

प्रधानमंत्री ने 5जी सेवाओं का किया शुभारंभ

जम्मू-कश्मीर अब पहले से अधिक सुरक्षित हुआ है

कोट्टायम (केरल) में 25 सितंबर, 2022 को भाजपा सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भुवनेश्वर (ओडिशा) में 30 सितंबर, 2022 को संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

हिमाचल प्रदेश में 03 अक्टूबर, 2022 को भाजपा बिलासपुर जिला बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

राजौरी (जम्मू-कश्मीर) में 04 अक्टूबर, 2022 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

साणंद (गुजरात) में 26 सितंबर, 2022 को 350 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) में 26 सितंबर, 2022 को शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित करने के पश्चात् उन्हें संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 गुजरात और भाजपा का संबंध राजनीति का नहीं, बल्कि अपनेपन का संबंध है: नरेन्द्र मोदी

गुजरात के आणंद में 10 अक्टूबर, 2022 को 'जन विश्वास सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'गुजरात और भाजपा का संबंध राजनीति का नहीं, बल्कि अपनेपन का संबंध है।' प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस...

08 पूर्वोत्तर के राज्य आज शांति, विकास और समृद्धि के लिए जाने जाते हैं: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 7 एवं 8 अक्टूबर, 2022 को असम के दो दिवसीय...

10 प्रधानमंत्री ने 5जी सेवाओं का किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक नए तकनीकी युग की शुरुआत करते हुए एक अक्टूबर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान...

12 'सेवा पखवाड़ा' संपन्न हुआ

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को 'सेवा पखवाड़ा' का शुभारंभ किया, जिसके तहत पार्टी ने देश भर में विभिन्न सेवा...

16 जम्मू-कश्मीर अब पहले से अधिक सुरक्षित हुआ है: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 4 अक्टूबर...

वैचारिकी

वास्तविक सुख / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 22

श्रद्धांजलि

साहनी जी हर किसी को अपना बना लेते थे / **नरेन्द्र मोदी** 24

समाजवादी पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव का निधन 26

अन्य

'भ्रष्ट बीजद सरकार को उखाड़ फेंक ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनाएं' 14

'एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में कमल खिलाएं' 15

'लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है' 18

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' तीन महीने और बढ़ी 19

सितंबर, 2022 के दौरान 1,47,686 करोड़ रुपए रहा सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 20

भारत सरकार ने पिछले 8 सालों में पूर्वोत्तर के विकास के लिए अनेक प्रयास किए: अमित शाह 26

कमल पुष्प 28

मोदी स्टोरी 28

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना का किया उद्घाटन 29

प्रधानमंत्री ने अयोध्या में लता मंगेशकर चौक का किया उद्घाटन 29

सभी के लिए जीवन की गरिमा सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता: नरेन्द्र मोदी 30

मंत्रिमंडल के फैसले 32

भारत के डिजिटल भुगतान का बदलता परिदृश्य 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज दुनिया में जिस प्रकार से भारत के समाज जीवन को जानने-समझने की ललक दिख रही है, उससे हमारे टूरिज्म को, हैरिटेज टूरिज्म के रूप में बहुत विस्तार मिल सकता है। (5 अक्टूबर, 2022)

जगत प्रकाश नड्डा

कार्यालय हमारे कार्यकर्ताओं के संस्कार और ऊर्जा का केंद्र है। यह हममें संगठन के प्रति समर्पण व वैचारिक स्पष्टता निर्मित करते हैं। (2 अक्टूबर, 2022)

अमित शाह

दहशतगर्दी या आतंकवाद से कश्मीर का भला नहीं होगा। कश्मीर का भला जम्हूरियत से होगा, उद्योग-धंधे लगने से होगा, एम्स और आईआईएम बनने से होगा। यदि कोई दहशतगर्दों का साथ देता है तो उसे आप लोग समझाएं, उसे समाज की मुख्यधारा में वापस लायें। (5 अक्टूबर, 2022)

राजनाथ सिंह

भारत में शस्त्र पूजा की बड़ी ही प्राचीन परंपरा रही है। हमारे देश के सैनिकों ने अपने शौर्य और शस्त्रों के माध्यम से हमेशा राष्ट्र की रक्षा की है। (5 अक्टूबर, 2022)

बी.एल. संतोष

कांग्रेस पार्टी बारिश, गन्ना, कंटेनर, गले लगाने जैसे प्रयासों के माध्यम से एक व्यक्ति राहुल गांधी को राष्ट्रीय स्तर पर असफलता के साथ स्थापित करने और पुनःस्थापित करने का प्रयास कर रही है। हालांकि कांग्रेस अपने प्रयासों के माध्यम से कम से कम एक दर्जन राज्य नेताओं को सफलतापूर्वक स्थापित कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी एक परिवार की सेवा में समर्पित है। (4 अक्टूबर, 2022)

सर्बानन्द सोनोवाल

राष्ट्र के लिए 'कर्तव्य पथ' पर चलना एक बड़े सम्मान की बात है। नई दिल्ली में 'कर्तव्य पथ' का दौरा किया और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की। (5 अक्टूबर, 2022)

संपादकीय

आत्मविश्वास से परिपूर्ण भारत

एक ओर जहां स्वदेश निर्मित हल्का लड़ाकू हेलिकॉप्टर 'प्रचंड' भारतीय वायुसेना में शामिल हो आकाश में उड़ान भर रहा है, वहीं दूसरी ओर गुजरात का 'मोढेरा' देश का पहला पूर्णतः सौर-गांव बन चुका है। यह आत्मविश्वास से परिपूर्ण 'नए भारत' का आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम का द्योतक है। देश आज जब स्वयं को के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्रण' के आह्वान के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध कर रहा है, क्षितिज से एक सशक्त, समृद्ध एवं विकसित भारत को उभरते हुए देखा जा सकता है। आज 'अमृतकाल' में हर दिन आत्मविश्वास से परिपूर्ण भारत हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बनाते हुए नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इन उपलब्धियों को यदि कोविड-19 वैश्विक महामारी के संदर्भ में देखा जाए, जिससे अभी भी विश्व के विकसित देश प्रभावित हैं, तो भारत के रिकॉर्ड अचंभित करने वाले हैं। इस दौरान जहां हर चुनौती भारत के लिए एक अवसर बन गयी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अदम्य नेतृत्व एवं दूरदर्शिता के बल पर भारत अनेक क्षेत्रों में असीम संभावनाओं के साथ उभरा है। 'मेड-इन-इंडिया' टीकों के निर्माण से लेकर अन्य देशों का 'वैक्सीन मैत्री' एवं 'वंदे भारत' अभियान के अंतर्गत सहायता से हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता, डिजिटल इंडिया अभियान, अग्रणी स्टार्ट-अप इकोसिस्टम का निर्माण, विश्व की सबसे तेज गति की बड़ी अर्थव्यवस्था एवं अन्य कई उपलब्धियों के साथ भारत अनेक क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करता दिखाई दे रहा है।

> **आज जब भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में मजबूती से अपना कदम बढ़ा रहा है, आत्मविश्वास से भरा भारत पूरे विश्व को अपनी उपलब्धियों से चमत्कृत कर रहा है**

मोदी सरकार की हर क्षेत्र में भारी सफलता का परिणाम भाजपा एवं प्रदेशों में इसकी सरकारों के प्रति बढ़ते व्यापक जनसमर्थन के रूप में देखा जा सकता है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के हाल के असम दौरे से देश के उपेक्षित क्षेत्रों के विकास के लिए संकल्पबद्ध भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास और भी अधिक दृढ़ हुआ है। यह पूर्वोत्तर के लिए अटूट प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आज न केवल इस क्षेत्र में शांति है, बल्कि यहां तीव्र विकास हो रहा है। इसका प्रभाव प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों पर इस क्षेत्र की जनता का अगाध विश्वास के रूप में देखा जा सकता है। जम्मू एवं कश्मीर में भी इसी प्रकार की जनभावना देखी जा सकती है, जहां लोग 'भारत मां की जय' के नारे को बुलंद कर रहे हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की हाल की जनसभाओं से यह स्पष्ट हो गया है कि मजबूत राजनैतिक इच्छाशक्ति एवं भारतीय संविधान पर अटूट निष्ठा से किस प्रकार का परिवर्तन लाया जा सकता है। धारा-370 की समाप्ति से जम्मू एवं कश्मीर में न केवल अनेक प्रकार के भेदभावपूर्ण नीतियां समाप्त हुईं, बल्कि जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करते हुए विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। आज जब दशकों से दबे-कुचले जन को स्वर मिल रहा है, आतंकवाद का साया समाप्त हो रहा है, अलगाववाद के स्थान पर राष्ट्र एकता की धुन बज रही है तथा विभिन्न सरकारी नीतियों एवं योजनाओं से जनाकांक्षाओं को पूरा किया जा रहा है। पूरा वातावरण सुनहरे भविष्य की आशा एवं विश्वास से भरा हुआ है।

आज जब 'अमृतकाल' में देश अनगिनत उपलब्धियों की गाथा लिख रहा है, 'पंच प्रण' राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांत बन गए हैं। 'आत्मनिर्भरता' का मंत्र हर क्षेत्र में क्रियान्वित होता देखा जा सकता है तथा देश की सुनहरी विरासत एवं गौरवशाली अतीत से प्राप्त प्रेरणा से देश में एक नया आत्मविश्वास जग रहा है। औपनिवेशिक मानसिकता तथा पश्चिम के अंधानुकरण की आदत से मुक्त एक नई सोच भारतीय मानस पर अपना प्रभाव दिखा रही है। आवश्यकता है कि पूरा देश राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लक्ष्यों के दायित्वबोध से अनुप्राणित हो भारत के ऋषियों, महर्षियों एवं द्रष्टाओं के स्वप्नों को साकार करे। आज जब भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में मजबूती से अपना कदम बढ़ा रहा है, आत्मविश्वास से भरा भारत पूरे विश्व को अपनी उपलब्धियों से चमत्कृत कर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

जन विश्वास सम्मेलन, आणंद (गुजरात)

गुजरात और भाजपा का संबंध राजनीति का नहीं, बल्कि अपनेपन का संबंध है: नरेन्द्र मोदी

गुजरात के आणंद में 10 अक्टूबर, 2022 को 'जन विश्वास सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'गुजरात और भाजपा का संबंध राजनीति का नहीं, बल्कि अपनेपन का संबंध है।' प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे गुजरात दो दशकों से अधिक समय से अपनी विकास यात्रा में आने वाली बाधाओं को दूर कर, भाजपा सरकार के शासन में व्यापक बदलाव का साक्षी बना है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे गुजरात में किसानों को बेहतर जल आपूर्ति और बिजली वितरण के माध्यम से बड़े पैमाने पर लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गुजरात की भाजपा सरकार ने हमेशा ऐसा शासन देने का प्रयास किया है जो उद्योगों को फलने-फूलने में मदद करे, युवाओं के लिए पर्याप्त अवसर पैदा करे और किसानों के हितों की रक्षा करे।

गुजरात और भाजपा के बीच 20 साल के अटूट संबंध के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार विभिन्न योजनाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से गुजरात को वैश्विक पहचान दिलाने का निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विपक्ष द्वारा फैलाये जा रहे छल और दुष्प्रचार के खतरे की ओर इशारा करते हुए कहा कि विपक्ष गुजरात की विकास यात्रा को पटरी से उतारने का प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगे कहा कि अगर आप कांग्रेसी नेताओं से मिलते हैं, तो उनसे पूछें कि क्या वे सरदार साहब की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा के आगे सिर झुकाने गए थे। वे ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि अगर वे यहां अपना सिर वहां झुकाते हैं तो उनके दिल्ली आलाकमान के समक्ष उनका वही सिर खतरे में पड़ जाएगा।

श्री मोदी ने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तब गुजरात पर माओवाद का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन गुजरात की जनता बहकी नहीं और उन्होंने विकास के मार्ग को प्राथमिकता दी। जिसका परिणाम अब सबके सामने हैं।

उन्होंने कहा कि दौड़ का समय खत्म हो गया है और अब गुजरात को ऊंची छलांग लगानी है। गुजरात आगामी दशकों में हाइड्रोजन हब, फार्मेसी हब, सेमीकंडक्टर हब, ईवी हब के रूप में उभरने वाला है। 'गिफ्ट सिटी' यहां के युवाओं को एक बड़ा मौका देने जा रही है।

मोदी शैक्षणिक संकुल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अक्टूबर को अहमदाबाद (गुजरात) में जरूरतमंद छात्रों के लिए शैक्षणिक परिसर, मोदी शैक्षणिक संकुल के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस परियोजना से विद्यार्थियों के समग्र विकास की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इसके अलावा श्री मोदी ने 10 अक्टूबर को जामनगर में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भरूच से जामनगर तक गुजरात की समृद्धि को, गुजरात के विकास को विस्तार देने का ये अनुभव वाकई अद्भुत है।

श्री मोदी ने कहा कि आज यहां 8 प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और

शिलान्यास हुआ है। आप सभी को पानी, बिजली, कनेक्टिविटी से जुड़े इन प्रोजेक्ट्स के लिए बहुत-बहुत बधाई। आज वाल्मीकि समाज के लिए विशेष कम्युनिटी हॉल का भी लोकार्पण हुआ है। इससे हमारे भाइयों और बहनों को विभिन्न सामाजिक आयोजनों में बहुत मदद मिलेगी।

भरूच (गुजरात)

आमोद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अक्टूबर को भरूच (गुजरात) के आमोद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने जंबूसर में बल्क ड्रग पार्क, दहेज में डीप सी पाइपलाइन परियोजना, अंकलेश्वर और पनोली में हवाई अड्डे के पहले चरण और बहुस्तरीय औद्योगिक शेड के विकास की आधारशिला रखी।

श्री मोदी ने कई परियोजनाओं को देश को समर्पित किया जो गुजरात में रसायन क्षेत्र को बढ़ावा देंगी। इन परियोजनाओं में जीएसीएल प्लांट, भरूच अंडरग्राउंड ड्रेनेज और आईओसीएल दहेज कोयाली पाइपलाइन का निर्माण शामिल है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भरूच को रसायन क्षेत्र से संबंधित कई परियोजनाओं के साथ पहला 'बल्क ड्रग पार्क' प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी से जुड़ी दो बड़ी परियोजनाओं की भी आज शुरुआत की गई है।

श्री मोदी ने यह भी बताया कि अंकलेश्वर में भरूच हवाई अड्डे का शिलान्यास भी किया गया है, ताकि भरूच के लोगों को बड़ौदा या सूरत पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि भरूच एक ऐसा जिला है, जिसमें देश के अन्य छोटे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक उद्योग हैं और इस नई हवाई अड्डा परियोजना के साथ यह क्षेत्र विकास के मामले में तीव्र गति से अग्रसर होगा।

श्री मोदी ने कहा कि यह नरेन्द्र-भूपेंद्र की डबल इंजन सरकार का ही परिणाम है जो कार्यों को त्वरित गति से पूरा करने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि यह गुजरात का नया चेहरा है। गुजरात पिछले दो दशकों में हर क्षेत्र में एक पिछड़े राज्य से एक संपन्न औद्योगिक और कृषि राज्य में परिवर्तित हो गया है।

मोढेरा (मेहसाणा), गुजरात

प्रधानमंत्री ने मोढेरा को घोषित किया भारत का पहला 24X7 सौर ऊर्जा संचालित गांव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ अक्टूबर को मेहसाणा के निकट मोढेरा में 3900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। श्री मोदी ने मोढेरा गांव को भारत का पहला 24x7 सौर ऊर्जा संचालित गांव भी घोषित किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन मोढेरा, मेहसाणा और पूरे उत्तर गुजरात के विकास के क्षेत्र में नई ऊर्जा की उत्पत्ति का प्रतीक है। श्री मोदी ने कहा कि बिजली और पानी से लेकर रेलवे और रोडवेज, डेयरी से लेकर कौशल विकास और स्वास्थ्य तक कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं इस क्षेत्र में रोजगार का स्रोत बन जाएंगी और पशुपालन के क्षेत्र में किसानों और लोगों की आय बढ़ाने में मदद करेंगी, साथ ही राज्य में विरासत पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा मोढेरा में घरों की रोशनी, खेती की जरूरतों के साथ-साथ वाहनों को भी बिजली देगी। श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए हमें अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऐसे प्रयासों को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वह उस दिशा में काम कर रहे हैं, जहां लोग बिजली के उत्पादक और उपभोक्ता खुद हैं।

श्री मोदी ने कहा कि अपनी जरूरत की बिजली का इस्तेमाल करें और अतिरिक्त बिजली सरकार को बेच दें। इससे बिजली के बिल से भी छुटकारा मिलेगा और अतिरिक्त आमदनी भी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि नियम हुआ करता था कि सरकार बिजली का उत्पादन करती थी और जनता उनसे इसे खरीदती थी, लेकिन आज केंद्र सरकार उन नीतियों की दिशा में काम कर रही है, जो लोगों को अपने घरों में सौर पैनल स्थापित करके बिजली का उत्पादन करने की अनुमति देती हैं और किसान अपने खेतों में सिंचाई के लिए सोलर पंप भी लगा रहे हैं।

संबोधन के समापन में श्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के बारे में चर्चा की, जो डबल इंजन सरकार की नींव है। उन्होंने कहा कि जैसे सूरज की रोशनी भेदभाव नहीं करती, विकास की रोशनी भी हर घर और झोपड़ी में पहुंचती है। ■

विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन, गुवाहाटी (असम)

पूर्वोत्तर के राज्य आज शांति, विकास और समृद्धि के लिए जाने जाते हैं: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 7 एवं 8 अक्टूबर, 2022 को असम के दो दिवसीय प्रवास पर रहे। वहीं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 7, 8 एवं 9 अक्टूबर को पूर्वोत्तर के तीन दिवसीय प्रवास पर रहे

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की गरिमामय उपस्थिति में 8 अक्टूबर, 2022 को गुवाहाटी (असम) के बेलटोला में पार्टी के नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया। नवनिर्मित प्रदेश भाजपा कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही प्रदेश के 9 जिला भाजपा कार्यालयों एवं 75 मंडल भाजपा कार्यालयों का वर्चुअल शिलान्यास भी हुआ। असम में भाजपा को मजबूत करने वाले दधीचि सरीखे पार्टी के मनीषी नेतागण भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भावेश कलिता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्र सरकार में मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री श्री रामेश्वर तेली, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, महामंत्री श्री दिलीप सैकिया, पूर्वोत्तर के राज्यों के भाजपा संयोजक एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा, पूर्वोत्तर के भाजपा सह-संयोजक श्री ऋतुराज सिन्हा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री फणीन्द्र नाथ शर्मा एवं पूर्व संगठन मंत्री श्री अजय जामवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

> प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सब मिलकर असम सहित पूरे पूर्वोत्तर के राज्यों को मजबूती देंगे और हर बूथ पर कमल खिलाएंगे

पार्टी के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करने के पश्चात् पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 2014 में देश के प्रधानमंत्री चुने जाने के पश्चात् श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में ये परिकल्पना की थी कि देश के हर प्रदेश मुख्यालय और जिला मुख्यालय में भाजपा का कार्यालय होना चाहिए। इसके पश्चात् तब हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश भर में पार्टी के कार्यालय का निर्माण यज्ञ शुरू हुआ। अब तक लगभग 236 जिला भाजपा कार्यालय बन चुके हैं और 154 पर काम चल रहा है। बहुत जल्द ही सभी जिला कार्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। अब तो मंडल स्तर पर

भी पार्टी के कार्यालयों का निर्माण तेज गति से चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए ये कार्यालय नहीं बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए ये समर्पण और संस्कार के केंद्र हैं।

पूर्वोत्तर में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में आये विकास के बदलाव की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि एक समय हमारे पूर्वोत्तर के राज्य मुसीबतों से जूझ रहे थे, देश का नेतृत्व कमजोर था लेकिन आज पूर्वोत्तर के सभी राज्य देश के विकास की मुख्यधारा से जुड़े हैं। पूर्वोत्तर के राज्य एक समय बंद, कर्फ्यू और इंसरजेंसी के रूप में जाने जाते थे लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर के वही राज्य आज शांति, विकास और समृद्धि के लिए जाने जाते हैं। यही नेतृत्व के अंतर का प्रभाव है। कभी गुवाहाटी में एम्स बनेगा या कैंसर का सबसे बड़ा सेंटर नॉर्थ-ईस्ट में बनेगा, क्या इसके बारे में किसी ने कभी सोचा भी था? आज कनेक्टिविटी का मामला हो या इन्फ्रास्ट्रक्चर का, असम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सब मिलकर असम सहित पूरे पूर्वोत्तर के राज्यों को मजबूती देंगे और हर बूथ पर कमल खिलाएंगे, यही आप सबसे मेरा आह्वान है।

उत्तर-पूर्व का विकास और नॉर्थ-ईस्ट में भाजपा का विकास, दोनों समानांतर रूप से चले हैं : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मां कामाख्या और महान स्वतंत्रता सेनानियों की इस धरती को कांग्रेस ने विघटन, आतंकवाद, हड़ताल और आंदोलनों की भूमि बना दिया था। चार देशों की सीमा जिस उत्तर-पूर्व से मिलती थी, वहां पर न शांति थी, न विकास था, न संस्कृति का संरक्षण था, न संघीय ढांचे का विकास हो रहा था और न ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य का समुचित प्रबंध था। मुझे इस बात की ख़ुशी है कि 2014 से लेकर 2022 के अल्पकाल के अंदर ही पूरा उत्तर-पूर्व विकास के रास्ते पर तेज गति से आगे चल पड़ा है। मेरे जैसे पार्टी कार्यकर्ता के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि उत्तर-पूर्व का विकास और नॉर्थ-ईस्ट में भाजपा का विकास, दोनों समानांतर चले हैं।

कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि 1962 में चीन के साथ लड़ाई के समय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने नॉर्थ ईस्ट को बाय-बाय कर दिया था। कांग्रेस भूल ही गई कि समग्र नॉर्थ-ईस्ट भी भारत का ही भू-भाग है। कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वोत्तर में भारत को तोड़ने की प्रक्रिया चल रही थी और कांग्रेस मूकदर्शक बनी हुई थी। नॉर्थ-ईस्ट में भारत को तोड़ने की प्रक्रिया को कांग्रेस चुपचाप देखती रही। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूर्वोत्तर में भारत को तोड़ने की प्रक्रिया को बंद कर भारत को जोड़ने का काम किया है।

इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रदेश अध्यक्ष श्री भाबेश कलिता भी उपस्थित थे। ■

भाजपा किसान मोर्चा का उत्तर क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भाजपा किसान मोर्चा का उत्तर क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर 29-30 सितंबर, 2022 को देहरादून (उत्तराखंड) में आयोजित हुआ। इस शिविर में दिल्ली, हिमाचल, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख एवं उत्तराखंड किसान मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री एवं जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित हुए। विदित हो कि भाजपा किसान मोर्चा द्वारा पहली बार 9 जोनों में किसान मोर्चा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

भाजपा किसान मोर्चा उत्तर क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद श्री राजकुमार चाहर के अध्यक्षीय भाषण से हुआ। उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे। समापन सत्र में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष का संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन उद्बोधन हुआ।

श्री चाहर ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा अभी तक विधिवत रूप से 7 जोनों में प्रशिक्षण करा चुका है और बाकी बचे 2 ज़ोन का

प्रशिक्षण भी 10 अक्टूबर तक संपन्न हो जाएंगे।

भाजपा किसान मोर्चा के उत्तर क्षेत्रीय दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न संगठनात्मक विषयों एवं कृषि संबंधित विषयों— प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, एपीओ पर कृषि वैज्ञानिकों एवं प्रोफेसरों का प्रेजेंटेशन रहा।

प्रशिक्षण शिविर में उत्तराखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजय एवं कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी का विशेष उद्बोधन रहा। ■

प्रधानमंत्री ने 5G सेवाओं का किया शुभारंभ

5जी अवसरों के अनंत आकाश की शुरुआत: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक नए तकनीकी युग की शुरुआत करते हुए एक अक्टूबर को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 5जी सेवाओं का शुभारंभ किया। श्री मोदी ने छठी इंडिया मोबाइल कांग्रेस का भी उद्घाटन किया और इस अवसर पर आईएमसी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

5जी नए दौर की दस्तक

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 5जी देश के द्वार पर नए दौर की दस्तक है। 5जी अवसरों के अनंत आकाश की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि 5जी के इस लॉन्च और प्रौद्योगिकी की शुरुआत में ग्रामीण क्षेत्र और कामगार समान भागीदार हैं।

श्री मोदी ने कहा कि नया भारत, टेक्नॉलजी का सिर्फ कंज्यूमर बनकर नहीं रहेगा, बल्कि भारत उस टेक्नॉलजी के विकास में, उसके इंप्लीमेंटेशन में एक्टिव भूमिका निभाएगा। भविष्य की वायरलेस टेक्नोलॉजी को डिजाइन करने में, उससे जुड़ी मैन्युफैक्चरिंग में भारत की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि 2जी, 3जी, 4जी के समय भारत टेक्नॉलजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा, लेकिन 5जी के साथ भारत ने नया इतिहास रच दिया है। श्री मोदी ने कहा कि 5जी के साथ भारत पहली बार टेलीकॉम टेक्नॉलजी में ग्लोबल स्टैंडर्ड तय कर रहा है।

चार दिशाओं में एक साथ फोकस

डिजिटल इंडिया के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि हमने 4 पिलर्स पर, चार दिशाओं में एक साथ फोकस किया। पहला— डिवाइस की कीमत; दूसरा— डिजिटल कनेक्टिविटी; तीसरा— डेटा की कीमत; चौथा और सबसे जरूरी— 'डिजिटल फर्स्ट' की सोच।

डिवाइस की कीमत

पहले पिलर के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही उपकरणों की कम लागत हो सकती है। श्री मोदी ने कहा कि आठ साल पहले तक भारत में केवल दो मोबाइल निर्माण इकाइयां थीं। ये संख्या अब 200 हो गई है। उन्होंने कहा कि 2014 में जीरो मोबाइल फोन निर्यात करने से लेकर आज हम हजारों करोड़ रुपए के मोबाइल फोन निर्यात करने वाले देश बन चुके हैं।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने आज हमारे देश में 5जी सेवाएं लॉन्च की हैं। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है जो लंबे समय में कई आर्थिक और सामाजिक लाभ प्रदान करेगा। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों के लिए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता बहुत अधिक है।

5जी द्वारा 2023 और 2040 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को 450 बिलियन डॉलर प्राप्त होने की उम्मीद है। यह देश के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा, स्टार्ट-अप और व्यवसायों में नवाचारों को प्रेरित करेगा और हमारे माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन को आगे बढ़ाएगा।।

– जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

डिजिटल कनेक्टिविटी

डिजिटल कनेक्टिविटी के दूसरे पिलर के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि इंटरनेट उपयोगकर्ता 2014 में 6 करोड़ थे, जो अब बढ़कर 80 करोड़ हो गए हैं। 2014 में 100 से भी कम पंचायत ऑप्टिकल फाइबर से जुड़े थे, किंतु अब इनकी संख्या बढ़कर 1.7 लाख पंचायतों तक पहुंच गई है।

डेटा की कीमत

तीसरे पिलर डेटा की लागत के बारे में श्री मोदी ने कहा कि उद्योग को कई प्रोत्साहन दिए गए थे और 4जी जैसी तकनीकों को नीतिगत समर्थन प्राप्त हुआ था। इससे डेटा की कीमत में कमी आई और देश में डेटा क्रांति की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि इन तीन पिलरों ने हर जगह अपना कई गुना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया।

'डिजिटल फर्स्ट' की सोच

चौथे स्तंभ यानी 'डिजिटल फर्स्ट' की सोच के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि एक वक्त था जब इलीट क्लास के कुछ मुट्ठी भर लोग गरीब लोगों की क्षमता पर संदेह करते थे। उन्हें शक था कि गरीब लोग डिजिटल का मतलब भी नहीं समझ पाएंगे। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें देश के सामान्य मानवी की समझ पर, उसके विवेक पर, उसके जिज्ञासु मन पर हमेशा भरोसा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा देश के गरीबों को नई तकनीक अपनाने के लिए तैयार पाया। ■

भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ स्वदेशी हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर

यह एक बहुमुखी हेलीकॉप्टर है, जो विभिन्न इलाकों में सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करता है तथा हमारी सेना और वायु सेना दोनों के लिए एक आदर्श प्लेटफॉर्म है

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक बड़ा प्रोत्साहन देते हुए तीन अक्टूबर को जोधपुर में भारतीय वायु सेना में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) को औपचारिक रूप से शामिल करने के समारोह की अध्यक्षता की।

एलसीएच का 'प्रचंड' नामकरण करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका वायुसेना में आगमन अमृत काल के दौरान ऐसे समय हो रहा है, जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और यह भविष्य के लिए एक संकेत है जब भारतीय वायुसेना दुनिया में सबसे बड़ी ताकत होगी। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायुसेना में शामिल होने के तुरंत बाद एलसीएच में एक उड़ान भरी।

अपने संबोधन में श्री राजनाथ सिंह ने स्वतंत्रता के बाद से देश के लिए आंतरिक एवं बाहरी खतरों से निपटने में भारतीय वायुसेना की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अपनी जबरदस्त शक्ति और बहुमुखी प्रतिभा के साथ एलसीएच का शामिल करना न केवल भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता बढ़ाता है, बल्कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक बड़ा कदम है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक स्वदेशी अटैक हेलीकॉप्टरों के विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि 1999 में कारगिल युद्ध के बाद से एलसीएच की आवश्यकता अधिक महसूस की गई थी और आज का एलसीएच उस दिशा में दो दशकों के अनुसंधान एवं विकास तथा स्वदेशी प्रयासों का परिणाम है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एलसीएच सैन्य अभियानों की विभिन्न परिस्थितियों में आधुनिक युद्ध और आवश्यक गुणवत्ता मानकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह आत्म-सुरक्षा करने, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद ले जाने और इसे जल्दी से वांछित स्थान पर पहुंचाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि यह बहुमुखी हेलीकॉप्टर विभिन्न इलाकों में हमारे सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करता है और इस तरह एलसीएच हमारी सेना और वायु सेना दोनों के लिए एक आदर्श प्लेटफॉर्म है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा बलों में एलसीएच 'प्रचंड' के शामिल होने पर प्रत्येक भारतीय को बधाई दी। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के एक ट्वीट का उद्धरण देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि एलसीएच 'प्रचंड' को रक्षा बलों में शामिल करना हमारे देश के रक्षा क्षेत्र को मजबूत और 'आत्मनिर्भर' बनाने के 130 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प के लिए एक विशेष क्षण है। इसके लिए हर भारतीय को बधाई!

एलसीएच: पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर

एलसीएच पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है जिसे एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है। इसमें शक्तिशाली जमीनी हमले और हवाई युद्ध क्षमता है। भारतीय वायुसेना की नवनिर्मित नंबर 143 हेलीकॉप्टर यूनिट में शामिल किया गया यह स्वदेशी डिजाइन, विकास एवं निर्माण में भारत के बढ़ते कौशल का प्रमाण है और रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

हेलीकॉप्टर में आधुनिक स्टील्ड विशेषताओं, मजबूत कवच सुरक्षा और रात में हमला करने की दुर्जेय क्षमता है। जहाज पर उन्नत नेविगेशन प्रणाली, निकट युद्ध के लिए तैयार बंदूकें और शक्तिशाली हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें एलसीएच को आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं।

ऊंचाई वाले इलाकों से संचालन करने और ऊंचाई वाले लक्ष्यों पर सटीक हमले करने में सक्षम यह हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना के शस्त्रागार के लिए एक शानदार प्लेटफॉर्म है। ■

'सेवा पखवाड़ा' संपन्न हुआ

2 अक्टूबर को समाप्त हुए 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की, जिसमें मुख्य रूप से रक्तदान शिविर, मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान करना और टीबी रोगियों को गोद लेना शामिल था

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को 'सेवा पखवाड़ा' का शुभारंभ किया, जिसके तहत पार्टी ने देश भर में विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया। 2 अक्टूबर को समाप्त हुए 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी सुनिश्चित की, जिसमें मुख्य रूप से रक्तदान शिविर, मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान करना और टीबी रोगियों को गोद लेना शामिल था। रचनात्मक सेवा कार्य के तहत स्वच्छता अभियान, पौधारोपण अभियान, जल संरक्षण के लिए संवाद और जिला व मंडल स्तर पर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान चलाए गए। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा को दर्शाने वाली फोटो प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

सेवा कार्यक्रम

सेवा पखवाड़ा के दौरान देश भर में 2,572 स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 1,84,421 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविरों की बात करें तो कुल 5,520 शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें 6,00,733 व्यक्तियों की निःशुल्क जांच की गई। वहीं, पार्टी के एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं ने 25,834 टीबी रोगियों को गोद लिया। पार्टी कार्यकर्ता अगले एक वर्ष के दौरान इन रोगियों की जरूरतों का

'सेवा पखवाड़ा' के दौरान आयोजित कार्यक्रम
17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2022

रक्तदान शिविर	2,572
कुल एकत्रित रक्त यूनिट	1,84,421
निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर	5,520
व्यक्ति की जांच की गई	6,00,733
टीबी मरीजों को गोद लिया गया	25,834
दिव्यांगजनों के लिए आयोजित कार्यक्रम	476
कृत्रिम अंग और अन्य उपयोगी उपकरण प्रदान किए गए	48,646
स्वच्छता अभियान का आयोजन	21,738
सरोवरो की सफाई	8,241
पौधारोपण	23,81,070
जल संरक्षण संवाद	9,63,067
'विविधता में एकता' कार्यक्रम	1,253
फोटो प्रदर्शनी	1,777
मोदी @20 बुक स्टॉल	1,374

सेवा पखवाड़ा के प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक 2,93,047 शुभकामना एवं अभिनंदन पत्र प्रधानमंत्रीजी को भेजे गए।
- देशभर में आयोजित रक्तदान शिविरों में सबसे अधिक रक्त यूनिट संग्रह राजस्थान से 32,864 यूनिट, गुजरात से 26,553 यूनिट, उत्तर प्रदेश से 24,410 यूनिट और कनार्टक से 17,758 यूनिट रहा।
- मध्य प्रदेश में अधिकतम 15,32,146 पौधारोपण किया गया।
- गुजरात में 743 स्थानों पर 74,248 बालिकाओं (उम्र 12-20) की हीमोग्लोबिन जांच की गई और राज्य की 2500 महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने 66 किलोमीटर समुद्र तट की सफाई की।
- उत्तर प्रदेश में कुल 9,946 टीबी रोगियों को गोद लिया गया।
- स्वच्छता अभियान के तहत कुल 3,24,113 भाजपा कार्यकर्ताओं ने देशभर में विभिन्न स्थानों पर श्रमदान किया।
- राजस्थान में 273 और कर्नाटक में 168 स्थानों पर 'विविधता में एकता' कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- सेवा पखवाड़ा के तहत 32 राज्यों के सोशल मीडिया मंचों पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

ख्याल रखेंगे और उन्हें पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। सेवा कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुल 2,78,552 टीकाकरण केंद्रों का दौरा किया और वहां सेवा कार्य किया।

दिव्यांगजनों के लिए 476 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 48,646 विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग और अन्य उपयोगी उपकरण प्रदान किए गए।

रचनात्मक सेवा कार्यक्रम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत' के सपने को आगे बढ़ाते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुल 21,738 स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान 8,241 सरोवरों की सफाई की गई और 3,24,113 कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के श्रमदान दिया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुल 23,81,070 पौधे लगाए और उनकी सुरक्षा के लिए 4,86,290 पौधा पालकों को नियुक्त किया गया। इसके अलावा, पार्टी कार्यकर्ताओं ने जल संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 9,63,067 घरों का दौरा कर, संवाद स्थापित किया और नागरिकों को जल संरक्षण के लाभों से अवगत कराया।

रचनात्मक सेवा कार्यक्रम को गति देते हुए 1,253 स्थानों पर 'विविधता में एकता' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री के प्रयास 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देते हुए पार्टी के 53,760 पदाधिकारियों ने जिला/मंडल स्तर पर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की।

प्रदर्शनियां और अन्य कार्यक्रम

देशभर में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व की झलक देते हुए 1,777 प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन प्रदर्शनियों में 8,09,535 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई। प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रसिद्ध पुस्तक मोदी@20 को नागरिकों तक आसानी से पहुंचाने के लिए देशभर में 1,374 स्थानों पर इस पुस्तक के स्टॉल लगाए गए। सेवा पखवाड़ा के दौरान 2,462 बौद्धिक सम्मेलन आयोजित किए गए और इन सम्मेलनों में 1,68,846 बुद्धिजीवियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। पूरे सेवा पखवाड़ा के दौरान देशभर से कुल 8,36,875 शुभकामना एवं अभिनंदन संदेश प्रधानमंत्री को भेजे गए।

(विभिन्न राज्यों से 08 अक्टूबर, 2022 तक प्राप्त आंकड़ों पर आधारित)

दिलीप जायसवाल बने भाजपा सिक्किम प्रदेश प्रभारी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 3 अक्टूबर, 2022 को बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ. दिलीप जायसवाल को भाजपा, सिक्किम प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया।

'भ्रष्ट बीजद सरकार को उखाड़ फेंक ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनाएं'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 29 एवं 30 सितंबर, 2022 को दो दिवसीय ओडिशा प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन के पश्चात् कई संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 सितंबर, 2022 भुबनेश्वर (ओडिशा) के प्रसिद्ध जनता मैदान में पार्टी के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से ओडिशा के विकास के प्रति संकल्पबद्ध रहते हुए प्रदेश में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन में मंच पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री समीर मोहंती, केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती डी. पुरुन्देश्वरी, सांसद एवं पूर्व मंत्री श्री जुएल उरांव, पूर्व मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश पुजारी, केंद्रीय मंत्री श्री विश्वेश्वर टुडु, ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री जयनारायण मिश्रा, ओडिशा के भाजपा सह प्रभारी श्री विजय पाल सिंह तोमर, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्वोत्तर भाजपा संयोजक डॉ. संबित पात्रा और भुबनेश्वर से पार्टी सांसद श्रीमती अपराजिता सारंगी सहित कई वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की सभी नीतियों के केंद्र में देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, आदिवासी, पिछड़े, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलाओं का ही कल्याण निहित है। जन-औषधि योजना के तहत मोदी सरकार ने देश भर में लगभग 8700 जन औषधि केंद्र खोले, जबकि अकेले ओडिशा में ऐसे 354 केंद्र खोले गए जिससे गरीबों को दवा खरीद में करोड़ों रुपये की बचत हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना में देश भर में जहां लगभग 3.70 करोड़ घरों के निर्माण के लिए फंड दिया गया, वहीं ओडिशा में भी इस योजना के तहत लगभग 24 लाख से अधिक घर बने। इसी तरह, जल जीवन मिशन के तहत जहां देश भर के लगभग 7 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया गया, वहीं ओडिशा में भी लगभग 43 लाख घरों में नल से जल पहुंचाया गया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश भर में जहां लगभग 11 करोड़ शौचालय बने, वहीं ओडिशा में भी लगभग 72 लाख इज्जत घर बने। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत देश में लगभग एक

> **जल जीवन मिशन के तहत जहां देश भर के लगभग 7 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया गया, वहीं ओडिशा में भी लगभग 43 लाख घरों में नल से जल पहुंचाया गया**

करोड़ युवाओं को सर्टिफिकेट दिया गया, वहीं ओडिशा में भी लगभग चार लाख से अधिक युवाओं को पीएम कौशल विकास योजना के तहत सर्टिफिकेट मिला। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत जहां देश भर के लगभग 11 करोड़ किसानों को सालाना छह-छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली, वहीं ओडिशा में भी 40 लाख से अधिक किसानों को अब तक इस योजना के तहत लगभग 6,000 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। किसान मानधन योजना से ओडिशा में लगभग एक लाख किसान जुड़े।

ओडिशा में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विकास के लिए किये गए कार्यों को आगे बढ़ाते हुए श्री नड्डा ने कहा कि अभी कल ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प के लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। महानदी बेसिन में तेल और गैस की खोज के लिए लगभग 220 करोड़ रुपये की लागत से सिस्मिक सर्वे अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी के रूप में देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति भी ओडिशा की धरती से ही चुनी गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हमेशा से ये लक्ष्य रहा है— समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना और उनका सशक्तीकरण कर विकास की मुख्यधारा में शामिल करना। 15 से अधिक पद्म पुरस्कार भी ओडिशा को मिले हैं।

प्रदेश की बीजद सरकार पर जोरदार हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि ओडिशा की बीजद सरकार ऊपर से लेकर नीचे तक भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। ये भ्रष्टाचार बिना सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के सांठ-गांठ के संभव नहीं। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंककर ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार होनी चाहिए। ■

'एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में कमल खिलाएं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 अक्टूबर, 2022 को ऊना (हिमाचल प्रदेश) में पुराना होशियारपुर मार्ग पर भाजपा के नवनिर्मित जिला कार्यालय का उद्घाटन किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से इस बार के विधानसभा चुनाव में परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री नड्डा ने नौ कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया और नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय परिसर में एक पौधा भी लगाया। इससे पहले ऊना पहुंचने पर श्री नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्री नड्डा के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, पंचायती राज मंत्री श्री वीरेंद्र कंवर और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सतपाल सत्ती के साथ-साथ कई वरिष्ठ नेता, प्रदेश सरकार में मंत्री एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय उद्घाटन के पश्चात् पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने शंखनाद किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एक बार पुनः भारी बहुमत से हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार बनाने जा रही है। प्रधानमंत्रीजी का हिमाचल प्रदेश से विशेष लगाव है और वे हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए सदैव कृतसंकल्पित रहते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में जितना काम किया है, उतना आज तक किसी भी ने नहीं किया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश के साथ हमेशा धोखा किया। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश से स्पेशल कैटेगरी का दर्जा वापस ले लिया था, स्पेशल इंडस्ट्रियल पैकेज पर भी रोक लगा दी थी। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं, जिन्होंने बिना मांगे ही हिमाचल प्रदेश का स्पेशल कैटेगरी स्टेटस पुनः बहाल किया। इसलिए हिमाचल प्रदेश की जनता से निवेदन करता हूं कि एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में कमल खिलाएं।

श्री नड्डा ने कहा कि ऊना का नवनिर्मित जिला भाजपा कार्यालय पार्टी को मजबूती देगा और इस क्षेत्र में पार्टी की विचारधारा को बढ़ाने का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आशा जताई थी कि हर प्रदेश एवं हर जिला में पार्टी का कार्यालय बने। भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष श्री अमित शाह ने उस परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए योजनाएं बनायीं और इसका मिशन मोड पर क्रियान्वयन शुरू हुआ। आज भारतीय जनता पार्टी के 512 नए कार्यालय प्रस्तावित है। हिमाचल में 17 नए कार्यालय प्रस्तावित है। देश में भाजपा के 235 जिला कार्यालय बन चुके हैं और 155 कार्यालय निमार्णाधीन हैं। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खादी ग्राम उद्योग की एक दुकान से खादी वस्त्रों की खरीदारी की

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 अक्टूबर, 2022 को शांति, अहिंसा और सद्भाव के अग्रदूत पूज्य बापू राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर गांधी चौक, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में खादी ग्राम उद्योग की एक दुकान से खादी वस्त्र की खरीदारी की। श्री नड्डा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सौदान सिंह एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप सहित कई अन्य गणमान्य लोगों ने भी खादी वस्त्रों एवं खादी उत्पादों की खरीदारी की।

श्री नड्डा ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में खादी उत्पादों का टर्नओवर लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। खादी उत्पाद आज फास्टेस्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स बन गए हैं। खादी ग्राम उद्योग से ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलता है। इससे आर्थिक दृष्टि से भी देश सबल हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूज्य बापू ने 'आत्मनिर्भर भारत'का सपना देखा था, जिसे हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर अब पहले से अधिक सुरक्षित हुआ है: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह 3 से 5 अक्टूबर, 2022 तक तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने राजौरी एवं बारामूली में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया एवं सुरक्षा समीक्षा बैठक में शामिल हुए

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 4 अक्टूबर, 2022 को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और खुशहाल जम्मू-एवं कश्मीर के संकल्प का नारा दिया। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू से भाजपा सांसद श्री जुगल किशोर शर्मा एवं राज्य सभा सांसद इंजीनियर गुलाम अली खटाना भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भारी संख्या में गुर्जर-बकरवाल और पहाड़ी भाई-बहन उपस्थित थे।

राजौरी की धरती से गर्जना करते हुए श्री शाह ने कहा कि आज की इस विशाल रैली में लगे मोदी-मोदी के नारे उन लोगों के लिए जोरदार जवाब है जो कहते थे कि धारा 370 हटाया जाएगा, तो जम्मू-कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी और पीर पंजाल में आग लग जायेगी।

उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 और 35A को उखाड़कर फेंक दिया। इन तीन परिवारों ने इसका विरोध किया था। अगर धारा 370 और 35A का उन्मूलन नहीं होता तो जम्मू-कश्मीर में जनजातीय आरक्षण मिलता क्या? हमारे उप-राज्यपालजी ने जनजातीय आयोग बनाया। धारा 370 और 35A के हटने से पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों एवं सफाई कर्मचारियों को अधिकार मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 हटाकर आदिवासी भाई-बहनों को भेदभाव के खिलाफ लड़ने का अधिकार दिया है। इसी तरह सफाई कर्मचारियों के पास कोई अधिकार नहीं था और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी कोई क़ानून यहां लागू नहीं था। धारा 370 के हटने से इन लोगों को भी उनका अधिकार मिला है।

श्री शाह ने तथ्यों के आधार पर उन लोगों को करारा जवाब दिया जो कहते थे कि धारा 370 के हटने से जम्मू एवं कश्मीर में खून की नदियां बह जायेंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में 2006 से लेकर 2013 तक जम्मू-कश्मीर में 4,766 आतंकवादी घटनाएं हुईं। धारा 370 जाने के बाद 2019 से लेकर आज तक केवल 721 आतंकवादी घटनाएं हुई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवादियों, अलगाववादियों और दहशतगर्दों के खिलाफ निरंतर कठोर मुहिम चलाई। इससे सुरक्षा बलों की मृत्यु के आंकड़ों में भी भारी कमी आई है। यह बताता है कि जम्मू-कश्मीर अब पहले अधिक सुरक्षित हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजौरी में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर यहां के बच्चों को डॉक्टर बनने का अवसर दिया है। साथ ही, पहाड़ी भाई-बहनों को मुफ्त इलाज की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। राजौरी के साथ ही कठुआ, डोडा, अनंतनाग और बारामूला में भी मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। राजौरी में मेडिकल कॉलेज के लिए लगभग 139 करोड़ रुपये खर्च किये गए हैं। लगभग 480 करोड़ रुपये की लागत से राजौरी-सूरनकोट रोड बनाया गया है। बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट एजुकेशन प्लान के तहत 21 करोड़ रुपये की लागत से 28 योजनाएं चल रही हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 3,885 किलोमीटर रोड बनाने का निर्णय लिया है। जम्मू-पूंछ राजमार्ग को चार-लेन बनाने के लिए लगभग 1,333 करोड़ रुपये दिए गए हैं। आजादी के 75 सालों बाद जम्मू-कश्मीर के घरों में रौशनी आई है। पहले यह रौशनी केवल गिने-चुने परिवारों के लिए थी। पूरे प्रदेश में लगभग 3.80 लाख घरों में बिजली पहुंचायी गयी है।

बारामूला रैली

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बारामूला के प्रो. शोकत अली मीर स्टेडियम में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर के विकास एवं यहां के आम नागरिकों के कल्याण के लिए उठाये गए क़दमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग यहां पर पाकिस्तान की बात करते हैं। बताएं, कश्मीर का जो भू-भाग पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है, वहां कितने गांवों और कितने घरों में बिजली पहुंचती है? आज हमारे कश्मीर के हर गांव में बिजली पहुंच चुकी है। आज कश्मीर के लगभग हर निवासी को 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत सालाना 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य की सुविधा बिल्कुल मुफ्त मिल रही है। लगभग 77 लाख लोगों को यहां आयुष्मान भारत कार्ड दिया जा चुका है। यहां लगभग एक लाख लोग ऐसे थे कि इस बर्फीली हवाओं में भी रहने के लिए उनके पास पक्के घर नहीं थे। 70 साल तक मुफ्ती एडं कंपनी और अब्दुला एंड संस ने यहां शासन किया, लेकिन एक लाख लोगों को पक्के घर उपलब्ध नहीं कराये गए। मगर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर में एक लाख लोगों को पक्का घर देने का काम किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्ज्वला योजना के तहत यहां लगभग 12.41 लाख परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर माताओं एवं बहनों को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से आजादी दिलाई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जम्मू एवं कश्मीर के लगभग 11.87 लाख किसानों को हर साल 6 हजार रुपये उनके एकाउंट में दिए जा रहे हैं। 'जल जीवन मिशन' योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के लगभग 58 प्रतिशत लोगों के घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है।

श्री शाह ने कहा कि यहां दो मॉडल हैं - एक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मॉडल है जो विकास, शांति, सद्भाव और रोजगार देता है, जबकि दूसरा है - गुपकर मॉडल जिसके कारण पुलवामा में अटैक हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पुलवामा में 2,000 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल बनवाया। गुपकर मॉडल पाकिस्तानी आतंकवादियों को करपेट बिछाकर ला रहा है। विकास का मोदी मॉडल 56,000 करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारकर बारामूला के युवाओं को रोजगार दे रहा है। गुपकर मॉडल में युवाओं के हाथ में पत्थर हैं, हाथ में मशीनगन हैं और बंद कॉलेज हैं, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी मॉडल में युवाओं के लिए आईआईटी है, आईआईएम है, एम्स है, NEET है। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने युवाओं के हाथ से पत्थर लेकर उन्हें पढ़ाने-लिखाने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर से सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध हैं। जम्मू-कश्मीर के युवा देश के विकास में जुटें, पढ़-लिख कर नौकरी प्राप्त करें, उद्यम करें, ताकि जम्मू-कश्मीर आगे बढ़े। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास के लिए अहर्निश कार्य कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के हर नागरिक से मेरा विनम्र निवेदन है कि आप सब इसमें सहयोग करें, ताकि अपना जमू-कश्मीर आगे बढ़े। ■

'किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रधानमंत्री मोदीजी ने विभिन्न योजनाएं लागू कीं'

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का दो दिवसीय गुजरात प्रवास 26 सितंबर, 2022 से आरंभ हुआ, इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद में 'किसान सम्मेलन' को संबोधित किया और अन्य कई कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल भी उपस्थित रहे।

गुजरात प्रवास

अहमदाबाद में किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कई वर्षों तक इस क्षेत्र के 164 गांव सिंचाई प्रणाली से वंचित रहे, लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने फतेवाड़ी, खरीकट और नलकांठा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले गांवों को 'नर्मदा कमांड एरिया' में शामिल किया है और यहां होने वाली सिंचाई संबंधी समस्या को खत्म करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने 1964 में किसी न किसी बहाने से नर्मदा योजना को रोक दिया था, लेकिन जब श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने नर्मदा योजना को लागू किया और गुजरात के भगीरथ बने।

प्राकृतिक खेती को अपनाएं

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले आठ वर्षों में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। कृषि बीमा को आकर्षक और आसान बनाया गया है, ताकि किसान इसका उपयोग सहजता से कर सकें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल किसानों के बैंक खातों में सीधे 6,000 रुपये जमा करने की व्यवस्था की है। इन कदमों ने देश में किसानों के आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में तीन लाख से अधिक किसानों ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है। उन्होंने सभी किसानों से प्रदेश में प्राकृतिक खेती को अपनाने का भी अनुरोध किया। ■

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने केरल में व्याप्त भ्रष्टाचार और अराजकता के लिए प्रदेश की माकपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "राज्य की वर्तमान माकपा सरकार एक ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है जहां सरकार कर्ज के जाल में होगी; जो कर्ज अब लगभग दोगुना हो गया है। यहां तक कि मुख्यमंत्री कार्यालय भी भ्रष्टाचार के दायरे से बाहर नहीं है। सोना घोटाले की आंच अब मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गई है।

25 सितंबर 2022 को कोट्टायम में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रदेश में अराजकता है, असामाजिक तत्व बढ़ रहे हैं, हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है। मैं अपने उन कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं जो इस सबके बावजूद दिन-रात काम कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। श्री नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

श्री नड्डा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर याद करते हुए कहा, "वह हमारे विचारक और 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता हैं।

अपने प्रवास के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तिरुचिरापल्ली, कोट्टायम और

तिरुवनंतपुरम में पार्टी के कई कार्यक्रमों और संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया। उन्होंने भाजपा के नवनिर्मित जिला कार्यालयों का भी उद्घाटन किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कोट्टायम में उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत की और श्रीनारायण गुरु तीर्थ केंद्र का दौरा किया।

श्री नड्डा ने 25 सितंबर को कोट्टायम के थेलाकोम में सिरो-मालाबार चर्च के आर्कबिशप मार जोसेफ पेरुमथोट्टम और कनाया चर्च के आर्कबिशप मार मैथ्यू मूलकट्टू से मुलाकात की।

श्री नड्डा के केरल प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री वी. मुरलीधरन, भाजपा केरल प्रभारी श्री प्रकाश जावडेकर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री के. सुरेंद्रन और अन्य नेता उपस्थित रहे। ■

चेंगमनाड, अलुवा में 'मन की बात' सुनी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने चेंगमनाद, अलुवा (केरल) में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को श्रवण किया। श्री नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात सुनने के बाद सामूहिक रूप से बैठकें करने का आह्वान भी किया।

उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद से 'मन की बात' के 93 एपिसोड में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कभी भी राजनीतिक मुद्दों के बारे में बात नहीं की है। वह इसके माध्यम से केवल सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण, स्वच्छता के मुद्दों और नागरिकों एवं खिलाड़ियों की प्रेरक कहानियों आदि का उल्लेख करते आये हैं।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' तीन महीने और बढ़ी

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के छठे चरण तक भारत सरकार के लिए वित्तीय व्यय लगभग 3.45 लाख करोड़ रुपये रहा तथा अक्टूबर, 2022 से दिसंबर, 2022 तक पीएमजीकेएवाई के 7वें चरण में 44,762 करोड़ रुपये की अनुमानित सब्सिडी दी गई है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में की गई जन कल्याण घोषणा के अनुरूप केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 28 सितंबर को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई चरण-7) को अगले तीन महीने की अवधि यानी अक्टूबर, 2022 से दिसंबर, 2022 तक बढ़ाने की मंजूरी दी।

ऐसे समय में जब पूरी दुनिया कोविड के खात्मे के बाद इसके प्रतिकूल प्रभावों और विभिन्न कारणों से असुरक्षा से जूझ रही है, भारत ने अपने यहां समाज के कमजोर वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा को सफलतापूर्वक बरकरार रखा है और इसके साथ ही भारत आम आदमी के लिए किफायती खाद्यान्न की उपलब्धता को निरंतर बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।

यह स्वीकार करते हुए कि लोगों को महामारी के कठिन दौर से गुजरना पड़ा है, सरकार ने पीएमजीकेएवाई की अवधि तीन माह और बढ़ाने का निर्णय लिया है ताकि समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को आने वाले प्रमुख त्योहारों जैसे कि नवरात्रि, दशहरा, मिलाद-उन-नबी, दीपावली, छठ पूजा, गुरुनानक देव जयंती, क्रिसमस, इत्यादि के लिए आवश्यक सहायता दी जा सके जिन्हें वे समस्त समुदाय के साथ मिलकर बड़े उल्लास से मना सकते हैं। इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने पीएमजीकेएवाई की अवधि तीन माह और बढ़ाने को मंजूरी दे दी है, ताकि वे बिना किसी वित्तीय संकट के खाद्यान्न की आसान उपलब्धता का लाभ निरंतर उठा सकें।

इस कल्याणकारी योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के अंतर्गत शामिल व्यक्तियों सहित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) (अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता वाले परिवार) के तहत शामिल सभी लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो खाद्यान्न मुफ्त दिया जाता है।

पीएमजीकेएवाई के छठे चरण तक भारत सरकार के लिए वित्तीय व्यय लगभग 3.45 लाख करोड़ रुपये रहा है। इस योजना के 7वें चरण के लिए लगभग 44,762 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय को मिलाकर सभी चरणों के लिए पीएमजीकेएवाई का कुल व्यय लगभग 3.91 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा।

पीएमजीकेएवाई के 7वें चरण के लिए खाद्यान्नों के मामले में कुल आवंटन लगभग 122 एलएमटी होने की संभावना है। चरण 1 से 7 तक खाद्यान्नों का कुल आवंटन लगभग 1,121 एलएमटी है।

अभी तक पीएमजीकेएवाई 25 महीनों से निम्नानुसार परिचालन में है—

i. चरण-1 और 2 (8 महीने): अप्रैल, 2020 से नवंबर, 2020 तक
ii. चरण- 3 से 5 (11 महीने): मई, 2021 से मार्च, 2022 तक
iii. चरण-6 (6 महीने): अप्रैल, 2022 से सितंबर, 2022 तक

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कोविड-19 संकट के दौरान मुश्किल समय में शुरू हुई थी, जिसने गरीबों, जरूरतमंदों, गरीब परिवारों/लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराई है ताकि इन लोगों को खाद्यान्नों की पर्याप्त उपलब्धता न होने से कोई परेशानी न हों। इस योजना ने लाभार्थियों को सामान्य रूप से वितरित की जाने वाली मासिक खाद्यान्न पात्रता की मात्रा को प्रभावी रूप से दोगुना कर दिया है। ■

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और उसके सहयोगी संगठन 'विधिविरुद्ध' घोषित

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उसके सहयोगी संगठनों या संबद्ध संस्थाओं या अग्रणी संगठनों को गंभीर अपराधों में लिप्त पाया गया है, जिनमें आतंकवाद और उसका वित्तपोषण, नृशंस हत्याएं, देश के संवैधानिक ढांचे की अवहेलना, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना आदि शामिल हैं जो कि देश की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हानिकारक हैं।

इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संगठन की नापाक गतिविधियों पर अंकुश लगाना आवश्यक पाया और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) व उसके सहयोगी संगठनों या संबद्ध संस्थाओं या अग्रणी संगठनों को विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के अंतर्गत 28 सितंबर को 'विधिविरुद्ध संगठन' घोषित कर दिया। इन विधिविरुद्ध संगठनों में रिहैब इंडिया फाउंडेशन (आरआईएफ), कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई), ऑल इंडिया इमाम काउंसिल (एआईआईसी), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशन (एनसीएचआरओ), नेशनल विमेंस फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन, केरल शामिल हैं। ■

सितंबर, 2022 के दौरान 1,47,686 करोड़ रुपए रहा सकल जीएसटी राजस्व संग्रह

लगातार 7 महीने से मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए को पार कर रहा है तथा सितंबर, 2022 के महीने में एकत्र जीएसटी राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने में एकत्रित जीएसटी राजस्व से 26 प्रतिशत अधिक है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अक्टूबर को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सितंबर, 2022 के महीने में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,47,686 करोड़ रुपए रहा, जिसमें से सीजीएसटी 25,271 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 31,813 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 80,464 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 41,215 करोड़ रुपए सहित) और 10,137 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 856 करोड़ रुपए सहित) उपकर है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 31,880 करोड़ रुपए सीजीएसटी के लिए और 27,403 करोड़ रुपए एसजीएसटी के लिए तय किए हैं। नियमित निपटान के बाद सितंबर, 2022 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 57,151 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 59,216 करोड़ रुपए है।

सितंबर, 2022 के महीने में एकत्र जीएसटी राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने में एकत्रित जीएसटी राजस्व से 26 प्रतिशत अधिक है। इस महीने के दौरान माल के आयात से प्राप्त राजस्व 39 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से एकत्रित राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है।

लगातार 7 महीने से मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर रहा है। यही नहीं, अगस्त, 2022 के महीने में 7.7 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो जुलाई, 2022 में 7.5 करोड़ से कुछ ही अधिक थे।

इस महीने में 20 सितंबर को 49,453 करोड़ रुपये का दूसरा सबसे बड़ा एकल दिन संग्रह देखा गया, जिसमें दूसरे सबसे अधिक 8.77 लाख चालान दर्ज किए गए। इससे पहले 20 जुलाई, 2022 को 9.58 लाख चालान के माध्यम से 57,846 करोड़ का संग्रह किया गया, जो वित्त वर्ष के अंतिम से संबंधित रिटर्न से जुड़ा हुआ था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जीएसटीएन द्वारा संचालित जीएसटी पोर्टल पूरी तरह से स्थिर हो गया है और गड़बड़ मुक्त है।

सितंबर में एक और मील का पत्थर पार हो गया जब 30 सितंबर, 2022 को एनआईसी द्वारा संचालित पोर्टल पर बिना किसी गड़बड़ी के 1.1 करोड़ से अधिक ई-वे बिल और ई-चालान, संयुक्त (72.94 लाख ई-चालान और 37.74 लाख ई-वे बिल) तैयार हुए। ■

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.8 प्रतिशत बढ़कर 8.98 लाख करोड़ रुपये हुआ

प्रत्यक्ष कर संग्रह, रिफंड के बाद शुद्ध संग्रह 7.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 16.3 प्रतिशत अधिक है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा नौ अक्टूबर को जारी एक बयान के अनुसार 8 अक्टूबर, 2022 तक का प्रत्यक्ष कर संग्रह दर्शाता है कि सकल संग्रह 8.98 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के सकल संग्रह की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक है। प्रत्यक्ष कर संग्रह, रिफंड के बाद शुद्ध संग्रह 7.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 16.3 प्रतिशत अधिक है। यह संग्रह वित्त वर्ष 2022-23 के प्रत्यक्ष कर के कुल बजट अनुमान का 52.46 प्रतिशत है।

जहां तक सकल राजस्व संग्रह के संदर्भ में कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर का संबंध है, सीआईटी के लिए वृद्धि दर 16.73 प्रतिशत रही, जबकि पीआईटी (एसटीटी सहित) की वृद्धि दर 32.30 प्रतिशत दर्ज की गयी। रिफंड के समायोजन के बाद सीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 16.29 प्रतिशत रही और पीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 17.35 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/16.25 प्रतिशत (एसटीटी सहित पीआईटी) है।

1 अप्रैल, 2022 से 8 अक्टूबर, 2022 की अवधि के दौरान 1.53 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी किए गए रिफंड की तुलना में 81.0 प्रतिशत अधिक है। ■

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक व दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक देश

देश में चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 के दौरान 5000 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख मीट्रिक टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से एथनॉल तैयार करने के लिए 35 लाख मीट्रिक टन चीनी का इस्तेमाल किया गया और चीनी मिलों द्वारा 359 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन किया गया।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा पांच अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभरकर सामने आया है।

यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है। गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी सीजन के दौरान बनाए गए।

वर्तमान सीजन में आकर्षण का एक और केंद्र लगभग 109.8 लाख मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात है, वह भी बिना किसी वित्तीय सहायता के जिसे 2020-21 तक बढ़ाया जा रहा था। भारत सरकार की नीतियों और सहायक अंतरराष्ट्रीय कीमतों ने भारतीय चीनी उद्योग की इस उपलब्धि को हासिल करने में मुख्य भूमिका निभाई। इन निर्यातों से देश के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है। ■

केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने को मिली मंजूरी

गत 28 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जून, 2022 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 12 महीने के औसत में प्रतिशत वृद्धि के आधार पर 01 जुलाई, 2022 से देय केन्द्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को चार प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी।

केन्द्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी क्रमशः महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की बढ़ी हुई राशि के लिए दिनांक 01 जुलाई, 2022 से हकदार हो जायेंगे। केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इस वृद्धि के कारण प्रति वर्ष 6,591.36 करोड़ रुपये और वित्तीय वर्ष 2022-23 (यानी जुलाई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 तक की आठ महीने की अवधि) में 4,394.24 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने का अनुमान है।

पेंशनभोगियों को महंगाई राहत में इस वृद्धि के कारण प्रति वर्ष 6,261.20 करोड़ रुपये और वित्तीय वर्ष 2022-23 (यानी जुलाई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 तक की आठ महीने की अवधि) में 4,174.12 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने का अनुमान है। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दोनों के कारण राजकोष पर संयुक्त रूप से प्रति वर्ष 12,852.56 करोड़ रुपये और वित्तीय वर्ष 2022-23 (यानी जुलाई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 तक की आठ महीने की अवधि) में 8,568.36 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। ■

कैबिनेट ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 28 सितंबर को लगभग 10,000 करोड़ के कुल निवेश के साथ निम्न तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के भारतीय रेलवे के प्रस्ताव को मंजूरी दे दीः

ए) नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

बी) अहमदाबाद रेलवे स्टेशन

सी) छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), मुंबई

रेलवे स्टेशन किसी भी शहर के लिए एक महत्वपूर्ण और केंद्रीय स्थान होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रेलवे के बदलाव में स्टेशनों के विकास को महत्व दिया है। कैबिनेट का यह फैसला स्टेशन विकास को नई दिशा देता है।

उल्लेखनीय है कि 199 स्टेशनों के पुनर्विकास का काम चल रहा है। इनमें से 47 स्टेशनों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। बाकी स्टेशनों के लिए मास्टर प्लानिंग और डिजाइन का काम चल रहा है। 32 स्टेशनों पर तेजी से काम हो रहा है। ■

वास्तविक सुख

पं. दीनदयाल उपाध्याय

अपने सुख की, उन्नति और हित की कामना प्रत्येक व्यक्ति में रहती है। किंतु हमारी उन्नति की दिशा क्या है, हित किस में है, जिसे हम सुख समझते हैं, वह वास्तविक सुख है या नहीं, यह बहुधा लोगों को पता नहीं रहता। इसके संबंध में अनेक विवाद हैं, और उनसे अनेक बार मति भ्रम भी हो जाता है।

उन्नति क्या है?

बहुत लोग केवल परिवर्तन को ही उन्नति मानते हैं। आजकल इसे क्रांति का नाम भी दिया जाता है। हर व्यक्ति अपने आपको क्रांतिकारी कहलाना चाहता है, लेकिन वह क्रांति का अर्थ ठीक से नहीं जानता। यदि परिवर्तन ही क्रांति या उन्नति है तो उलटी दिशा में जाने पर भी परिवर्तन तो होता ही है। इस परिवर्तन को उन्नति कहना उचित नहीं होगा।

मान लो, हमें हिमालय की ओर जाना है तो उत्तर की ओर जाना प्रगति होगी और दक्षिण की ओर जाना अधोगति। इसलिए केवल परिवर्तन उन्नति और क्रांति नहीं होती। उन्नति का संबंध तो दिशा से होता है। अभीष्ट दिशा की ओर और ध्येय के नजदीक ले जानेवाला परिवर्तन ही क्रांति या उन्नति कहलाएगा।

लाभदायक तथा हितकारी बात कौन सी है ?

कई बार प्रत्यक्ष लाभदायक बात वास्तविक दृष्टि से लाभदायक नहीं होती, जैसे कुछ पैसे मिलना लाभ की बात होती है। मुझे सौ रुपए मिले, इसमें लाभ दिखाई देता है, लेकिन यदि वे रुपए चोरी के अथवा जेबकतरे हुए हैं और मुझे मिल गए हैं, तो वो मुझे लाभ के बजाय नुकसान पहुंचानेवाले हो जाएंगे। उनके कारण चोरी का जुर्म, पुलिस का दुर्व्यवहार और प्रतिष्ठा को ठेस लगेगी, इसलिए कुछ मिलना मात्र लाभदायक और हितकारी नहीं होता। लाभ और हित का विचार तो उसके परिणाम के आधार पर होता है। शरीर, मन, प्रतिष्ठा— सभी पर परिणाम का विचार करने पर जो लाभदायक या हितकर होगा, वही लाभदायक या हितकर माना जाएगा।

सुख की कल्पना

सुख के लिए भी इसी प्रकार विचार करना उचित रहेगा। कई बार एक समय पर सुखकर लगनेवाली बात दूसरे समय पर दुःखकर सिद्ध

हो जाती है। बीमार को रसना का सुख प्रारंभ में अच्छा लगता है, वह आचार खाने में सुख का अनुभव करता है, लेकिन उसका परिणाम दुःखकारक होता है। सिनेमा देखने में अच्छा लगता है, लेकिन निरंतर देखने से हमारी आंखों के लिए ही हानिकारक हो जाता है। इसके लिए हमारे यहां प्रेय और श्रेय दो प्रकार के सुख की कल्पना की गई है। प्रेय वस्तु पहले सुखकारी लगती है और बाद में दुःखदायी हो जाती है। कबीरदासजी ने कहा है, 'कड़वी भैषज बिन पिए मिटे न तन की ताप' श्रेय वस्तु प्रारंभ में औषधि के समान कड़वी लगती है, लेकिन शरीर का कष्ट मिटानेवाली होती है। इसी प्रकार अधिकारी की ताड़ना प्रारंभ में बुरी लगती है, लेकिन उसका प्रभाव अच्छा होता है।

एक डाकू की कथा है, डकैती के कारण पकड़ा गया और उसे फांसी की सजा हुई। उसने अपनी आख़िरी इच्छा व्यक्त की। 'मैं अपनी मां के कान में बात करना चाहता हूं।' जब माता आई और उसके पास गई तो उसने अपनी मां के कान काट लिये। लोगों ने समझा, यह मरते-मरते भी मां को कष्ट दे रहा है। लेकिन उसने कहा, 'मुझे आज जो फांसी की सजा मिली उसकी जिम्मेदार मां है। एक दिन मैं पड़ोसी के यहां से खेलते-खेलते पंखा ले आया। माता आनंदित हुई और पंखे को रख लिया। दूसरे दिन उत्साह से मैं पड़ोसी की अन्य चीजें चुराकर लाने लगा, माता उन्हें भी रखने लग गई। इस प्रकार मेरी चोरी-डकैती आदि की आदत पड़ गई और मुझे आज का दिन देखना पड़ा है।' इस प्रकार प्रारंभ का आनंद अंत में जाकर दुःखदायी हो जाता है। इसलिए वास्तविक सुख क्या है, इस पर विचार करना पड़ेगा। गहना पहनना और भारी गहने पहनना गौरव तथा गर्व की बात मानी जाती है। लेकिन वो यदि कान तोड़नेवाली हो तो उसका क्या उपयोग है? 'वा सोने को जारिए जासे टूटे कान' आजकल टाई लगाने की प्रथा बहुत है, शौक से, आनंद से लगाई जाती है, लेकिन गरमी में गरमी बढ़ाने की तकलीफ़ मनुष्यों को मन ही मन बरदाश्त करनी पड़ती है। इस प्रकार वास्तव में तकलीफ़ देनेवाली टाई दिमाग की खराबी के कारण सुखकारी प्रतीत होती है।

सुख-दुःख, हित-अहित, उन्नति-अधोगति क्या है, इसका विचार करना होगा। मेरे लिए सुखकारी है, 'मैं' कौन है? उत्तर कठिन है। यह शरीर ही मैं नहीं, शरीर ही व्यक्ति नहीं होता। बहुत बार लोग मानते हैं कि शरीर जाने पर भी उसका सामर्थ्य बना रहता है। राम का कल्याण करने का सामर्थ्य आज भी बना हुआ है। रावण वैसे मर गया होगा, लेकिन रावण

अपने कार्यों के लिए जिंदा है। इसलिए कोई रावण या शूर्पणखा नाम नहीं रखना चाहता। महान् पुरुषों के जीवन समाप्त हो जाते हैं। उनके कार्य हमें प्रेरित करते रहते हैं।

इसलिए यह शरीर को ही सब कुछ मान लेना उचित नहीं है। ताक़तवर शरीर रखने के उपरांत भी एक पागल सुखी, प्रगतिशील या उन्नत नहीं कहला सकता। जो सुख शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा सभी को सुखी बना सके, वही सच्चा सुख है। शेर के पिंजरे के सम्मुख बकरी को बांध दिया जाए और उसे पौष्टिक भोजन देते रहने पर भी वह दुर्बल होती जाती है। कारण उसे शेर अथवा मौत का भय मन में बना रहता है। इस प्रकार पौष्टिक भोजन के साथ मन की स्थिति भी सुख में सहयोगी होती है। मन के सुख में ही शरीर भी सुखी रहेगा।

देवता और असुर में यही अंतर है कि देवता के विचार उच्च होते हैं, शरीर चाहे उतना शक्तिशाली न हो। असुर शक्तिशाली होता है, लेकिन उसमें मानसिक विकार बहुत होता है। रावण के कई सिरों में इसलिए एक गधे के सिर को खर दिमाग की कल्पना दी गई है। वही राक्षसी वृत्ति है।

सज्जन और दुर्जन में यही अंतर होता है कि धन मिलने पर सज्जन दान देता है, दुर्जन घमंड करता है। शक्ति मिलने पर सज्जन रक्षण करता है, दुर्जन दादागिरी, गुंडागिरी करता है। विद्या मिलने पर सज्जन ज्ञान प्राप्त करता है, दुर्जन कुतर्क करता है और प्रसार करता है, यही राक्षस और देवता में भी अंतर है।

आज समाज के कुछ लोग रोटी को ही सब कुछ मानने लगे हैं, पर अकेली रोटी ही सब कुछ नहीं होती। रोटी के लिए मानव प्रयत्न 5 से 8 प्रतिशत तक ही करता है। अन्य प्रयत्न मानव के महत्त्वपूर्ण कार्य माने जाते हैं।

रोटी के साथ-साथ मक्खन, चटनी, रोचक पदार्थ, शराब भी मनुष्य आवश्यक मानने लगता है। इसी प्रकार कपड़े की सामान्य आवश्यकता बढ़िया कपड़े, अधिक कपड़े, फैशन के कपड़े के रूप में बढ़ती रहती है। मनुष्य की इच्छाएं हनुमानजी की पूंछ के समान बढ़ती हैं। इच्छाओं को आप जितनी तृप्त करते चले जाओ, उतनी ही ये बढ़ती हैं।

रोटी के साथ गाली देने पर अनादर करने पर व्यक्ति रोटी को भी द्वितीय महत्त्व दे देता है। निमंत्रण से ही भोजन पर जाने की प्रथा है, इसलिए भगवान् कृष्ण ने इसी भावना से दुर्योधन का मेवा त्यागा और विदुर के घर पर केले के छिलके भी आनंदपूर्वक खा लिए। इसलिए यह कहना कि मनुष्य केवल रोटी के लिए ही जीता है, अधूरी कल्पना है। मान लीजिए, आपको यहां से जयपुर जाना है तो सबसे पहला काम आप स्टेशन पर जाकर टिकट खरीदने का करेंगे, लेकिन आप कहेंगे, मुझे जयपुर जाना है, टिकट खरीदना है नहीं कहेंगे। इसी प्रकार रोटी पहला कार्य हो सकता है, लेकिन जीवन का उद्देश्य नहीं मनुष्य खाने के लिए नहीं जीता,

सुख इंद्रियों पर ही आधारित नहीं होता; शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा- सभी को सुख हो, वही वास्तविक सुख होता है। पश्चिम की दृष्टि में सुख को एकांगी दृष्टिकोण से देखा गया है। भारत में सुख को समग्र दृष्टि से देखा जाता है

मनुष्य जीवन तो भोजन के आगे है। रोटी भी मनुष्य के अनुरूप होना आवश्यक है पेट कुआं नहीं है कि कुछ भी इसमें भर दिया। जीवन के उद्देश्य के अनुरूप देशकाल परिस्थिति के अनुसार रोटी होनी चाहिए। जिस प्रकार उज्जैन जाने के लिए खंडवा का टिकट काम नहीं दे सकता। उसी प्रकार पहलवान की रोटी, योगी की रोटी और गृहस्थी की रोटी में अंतर होता है। जीवन के उद्देश्य से रोटी तय होती है और उद्देश्य को हटाकर केवल रोटी का नारा लगाना ग़लत होगा।

सुख इंद्रियों पर ही आधारित नहीं होता; शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा- सभी को सुख हो, वही वास्तविक सुख होता है। पश्चिम की दृष्टि में सुख को एकांगी दृष्टिकोण से देखा गया है। भारत में सुख को समग्र दृष्टि से देखा जाता है।

व्यक्ति तथा समाज

व्यक्ति का सुख समाज के साथ है, व्यक्ति और समाज अलग-अलग चीजें नहीं हैं। व्यक्ति समाज का ही एक अंग है। व्यक्तियों को हटाकर समाज का कोई विचार नहीं होता समाज यदि क्रियाशील होता है तो व्यक्ति के द्वारा ही समाज का सुख-दुःख व्यक्तियों के द्वारा व्यक्त होता है और समाज ही व्यक्ति को विभिन्न सामाजिक कार्यों की प्रेरणा देता है।

महात्मा गांधी, परम पूजनीय डॉक्टर साहब, सुभाष चंद्र बोस, भगतसिंह, बटुकेश्वर दत्त प्रभृति हमारे नेता सामाजिक प्रेरणा के कारण ही अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य कर सके। व्यक्ति समाज पर निर्भर रहता है। मेरा नाम, मेरा शरीर, मेरी आदतें, व्यवहार सब समाज द्वारा दिए हुए हैं। समाज द्वारा ही मनुष्य खड़ा होता है, चलना-फिरना, खाना-पीना, बोलना आदि सीखता है।

रामू भेड़िया बालक समाज से दूर हो गया। इस कारण उसका खाना, रहना, चलना, बोलना-सभी भेड़ियों के समान हो गया। यूरोपीय लोग पालथी मारकर नहीं बैठ सकते। अफ्रीका में औरतें पैर फैलाकर बैठती हैं। ऐसा कहा जाता है, उनके पांव नहीं मुड़ते, इन सभी आदतों में समाज का प्रभाव मुख्य है।

हमारी भाषा भी समाज द्वारा दी हुई है। भाषा विचार प्रकट करने का ही माध्यम नहीं है, वरन् यह विचार करने का भी साधन है। जैसा अभी किया जा रहा है। शिक्षा भी व्यक्ति को समाज द्वारा ही मिलती है। अच्छी-बुरी की कल्पना समाज द्वारा ही होती है। अतः समाज से अलग होकर सोचना गलत है। सुख, उन्नति और हित में व्यक्ति और समाज दोनों दृष्टियों से सोचना जरूरी है। यही पूर्णता का विचार है। मैं, शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा है। मैं और हम एक हैं। मैं हिंदू हैं, मैं भारतवासी है, मैं मानव है— यही पूर्णता का विचार है। मानवता, हिंदुत्व आदि भावनाएं निकाल देने पर 'मैं' नहीं बचेगा। इसलिए 'मैं' में समाज का भी समावेश है। इस प्रकार कुल मिलाकर विचार करने का हमारा तरीक़ा है। हम लोग भी कुल मिलाकर विचार करें। यही हमारे भारतवर्ष की दृष्टि है। ■

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: मई २६, 1967

साहनी जी हर किसी को अपना बना लेते थे

श्री केदारनाथ साहनी का जन्म 24 अक्टूबर, 1926 को रावलपिंडी (अब पाकिस्तान) के थट्टा गांव में हुआ था। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे। उन्होंने भारतीय जनसंघ एवं भाजपा के अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। साहनी जी ने सिक्किम और गोवा के राज्यपाल पद को भी सुशोभित किया। 3 अक्टूबर, 2012 को साहनी जी का देहावसान हो गया। हम उनकी स्मृति में डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास द्वारा प्रकाशित 'अपने साहनी जी' पुस्तक का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिखा गया आमुख यहां प्रकाशित कर रहे हैं-

- नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्वर्गीय श्री केदारनाथ साहनी से सदैव ही मेरे अत्यंत निकट संबंध रहे। मुझे सदा-सर्वदा ही उनका सहयोग, स्नेह और आशीष मिलता रहा। उनका बहुआयामी व्यक्तित्व, सौम्य स्वभाव और मृदुभाषी व्यवहार ऐसा था जो किसी अपरिचित व्यक्ति को भी अपना बना लेता था।

संघ परिवार के लगभग प्रत्येक कार्यक्रम में भारतीय वेशभूषा में, मितभाषी और मृदुभाषी मंद मुस्कान बिखेरता और ठीक समय पर पहुंचने वाला उनका सौम्य चेहरा मुझे सदा प्रेरणा देता रहा है। वे सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन के विरले आदर्श पुरुष थे।

श्री साहनी जी के व्यक्तित्व में एक राष्ट्रवादी चिंतन था। राष्ट्रप्रेम और समरसता की ऊर्जा को दूसरों तक पहुंचाना उनका एकमात्र लक्ष्य था। उनका जीवन इतनी विविधताओं से भरा हुआ था कि उनके व्यक्तित्व के जादू से प्रभावित हुए बिना कोई रह नहीं पाता था।

1996 के दौरान वे दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष थे और मैं पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव था। तब कई बार साहनी जी से मिलने का, बातचीत करने का और उनके साथ चर्चा में शामिल होने का मौका मिला।

महासचिव के तौर पर दिल्ली आने से पहले जब मुझ पर गुजरात में पार्टी के प्रचार की जिम्मेदारी थी, तब भी हमें साहनी जी के सामाजिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी खबरें मिलती रहती थीं। राजनीति में इतने ऊंचे आदर्श स्थापित करने वाली शख्सियतें कम ही होती हैं। साहनी जी, अत्यंत कुशल संगठनकर्ता थे।

> विचारधारा और अनुशासन से किसी भी तरह का समझौता किए बगैर, साहनी जी अपने काम से कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देते थे, उनका मार्गदर्शन करते थे। कार्यकर्ताओं को उनके आचरण और मर्यादा के संदर्भ में स्पष्ट और दो टूक बात करने में भी वे झिझकते नहीं थे

साहनी जी के लिए अनुशासन सदैव सर्वोपरि था। 1976 में दिल्ली नगर निगम चुनाव के वक्त स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन के तौर पर उन्होंने इस बात की परवाह किए बिना कि पार्टी अल्पमत में है, पार्टी लाइन से बाहर जाने वाले पार्षदों को निलंबित कर दिया था। वे नियमों के साथ कभी कोई समझौता नहीं करते थे।

अलग-अलग इकाइयों में उन्हें जो भी दायित्व मिला, उन सभी जगहों पर उन्होंने बहुत कड़े अनुशासन का परिचय दिया। वे अलोकप्रिय होने का जोखिम उठाकर भी कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते थे।

समय की पाबंदी को लेकर भी साहनी जी हमेशा गंभीर रहे। निमंत्रण पत्र पर कार्यक्रम का जो वक्त लिखा होता, वे उसी समय पहुंचते थे। कई बार तैयारी पूरी ना होने की वजह से आयोजकों को शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती थी और कई बार खुद साहनी जी को भी लंबा इंतजार करना पड़ता था, क्योंकि बाकी लोग भी देर से ही आते थे।

साहनी जी, दिल्ली महानगर परिषद में मुख्य कार्यकारी पार्षद के पद रहे, उन्होंने दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष का पद भी संभाला। दिल्ली नगर निगम का पूर्व सदस्य होने के बावजूद उन्होंने सरकार से कभी पेंशन नहीं ली। वे कहते थे कि उन्होंने जो कुछ किया, वह समाज सेवा के अपने दायित्व के लिए किया, उसकी पेंशन क्या लेना? आज के दौर में इस तरह की बात करने वाले कम ही लोग मिलेंगे।

विचारधारा और अनुशासन से किसी भी तरह का समझौता किए बगैर, वे अपने काम से कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देते थे, उनका मार्गदर्शन करते थे। कार्यकर्ताओं को उनके आचरण और मर्यादा के संदर्भ में स्पष्ट और दो टूक बात करने में भी वे झिझकते नहीं थे।

एक बार साहनी जी को बहुत इमरजेंसी में पार्टी की कार का निजी इस्तेमाल करना

पड़ा था। जब काम खत्म हुआ तो, उन्होंने पार्टी के अकाउंट में कार का किराया जमा कराया। वे कहते थे कि सार्वजनिक धन की एक-एक पाई के लिए नेता जवाबदेह हैं और इसलिए इस धन का निजी कार्य के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

साहनी जी का बाह्य व्यक्तित्व कठोर था, लेकिन मन बहुत कोमल और संवेदनशील था। इंसानियत और ईमानदारी की जो मिसालें स्वर्गीय साहनी जी समाज को देकर गए हैं, वैसी अब कम ही मिलती हैं।

90 के दशक में जिस वक्त आतंकवाद की वजह से हजारों की तादाद में लोग कश्मीर से दिल्ली आ रहे थे, तब साहनी जी ने उनकी मदद के लिए दिन-रात एक कर दिया। उनके रहने-खाने और दवाइयों तक का इंतजाम किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुशासित सिपाही की तरह वे किसी भी कार्य को आगे बढ़कर, खुद करने में संकोच नहीं करते थे।

पार्टी के लिए धन संग्रह करने की उनकी क्षमता भी प्रशंसा करने योग्य थी। अपने संबंधों का उपयोग वे पार्टी के लिए धन इकट्ठा करने के लिए तो करते ही थे, लेकिन साथ ही इन संबंधों के जरिए वे गरीबों की भी उतनी मदद करते रहते थे। इसलिए जब गरीब और बेसहारा परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए 'चौपाल' नाम की संस्था शुरू की गई, तो साहनी जी ने उसके संरक्षक होने का दायित्व सहर्ष संभाला।

कार्यकर्ताओं की समस्या, उनकी वेदना और संकट की घड़ी में केदार नाथ साहनी जी खुद जिम्मेदारी लेकर मदद के लिए आगे आते थे।

2009 की बात होगी जब पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता के लिए वे भगवान बनकर आए। उस महिला के बेटे को कैंसर था और इलाज के लिए काफी पैसों की आवश्यकता थी। साहनी जी ने बिना उस महिला को बताए ही इलाज की सारी रकम का इंतजाम कर दिया।

इसी तरह एक बार एक गरीब कार्यकर्ता की किडनी फेल हो जाने पर साहनी जी ने पार्टी के एक पदाधिकारी को अलग से जिम्मेदारी सौंप दी थी कि उस कार्यकर्ता को इलाज और पैसे की कमी ना आए। जब तक वो कार्यकर्ता जीवित रहा, साहनी जी खुद भी उसकी आर्थिक मदद करते रहे और दूसरों से भी करवाते रहे।

साहनी जी के व्यक्तित्व की ये विशेषताएं संघ प्रचारक के तौर पर उनके काम में भी हमेशा दिखाई दीं। मुश्किल हालात का वे डटकर मुकाबला करते थे। 1947 में बंटवारे से पहले उन्हें संघ प्रचारक के तौर पर जम्मू-कश्मीर भेजा गया था। उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान की कबाइली फौज के आक्रमण को झेला और कश्मीर के भारत में विलय के साक्षी भी बने। इस दौरान साहनी जी ने बहुत से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाकर उनकी जान भी बचाई।

> **साहनी जी का बाह्य व्यक्तित्व कठोर था, लेकिन मन बहुत कोमल और संवेदनशील था। इंसानियत और ईमानदारी की जो मिसालें स्वर्गीय साहनी जी समाज को देकर गए हैं, वैसी अब कम ही मिलती हैं**

जब देश में आपातकाल लगा तो उन्होंने वेश बदलकर सरकार को चकमा दिया और विदेश चले गए और वहीं से तत्कालीन सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर प्रचार किया।

विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से भी केदारनाथ साहनी जी के बड़े आत्मीय संबंध थे। इनके अलावा समाज के दूसरे तबकों जैसे डॉक्टर इंजीनियर, वकील, शिक्षाविद् और अन्य प्रभावी लोगों से उनका संवाद निरंतर चलता रहता था। समाज में सभी के साथ संपर्क रखने में वे बहुत कुशल थे और साथ ही संबंधों को निभाने को लेकर भी बहुत संवेदनशील रहते थे।

जब मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री बने कुछ ही महीने हुए थे तब साहनी जी को गोवा के राज्यपाल के तौर पर नियुक्त किया गया था। उस दौरान भी मुझे उनके सियासी अनुभव का लाभ मिला। उनकी सामाजिक समन्वय और समभाव की दृष्टि भी बहुत अधिक प्रशंसनीय थी। गोवा में राज्यपाल रहते उन्होंने राजभवन में कई वर्षों से बंद पड़े पुराने चर्च को खुलवा कर साप्ताहिक प्रार्थना शुरू करवाई थी। इसे लोग आज भी याद करते हैं।

आज स्वच्छ भारत मिशन केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है, लेकिन साहनी जी उन शुरुआती लोगों में से एक थे जिन्होंने दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने का विचार दिया। 1978 में दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद के पद पर रहते हुए उन्होंने कहा था कि जब हम अपने घर को साफ रख सकते हैं तो देश और दिल्ली को क्यों नहीं रख सकते। वे उन्हीं के अथक प्रयासों का परिणाम था कि उस वक्त यमुना की स्थिति को सुधारने के साथ ही दिल्ली को भी हरा-भरा बनाने का कार्य आरंभ हुआ। स्वर्गीय श्री साहनी जी स्वच्छ भारत मिशन में मेरे लिए आज भी एक प्रेरणास्रोत हैं।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय की भावना को पूरी तरह आत्मसात करते हुए साहनी जी संपूर्ण व्यवस्था को अंत्योदय दर्शन के प्रति सजग करते रहे। मेरे साथ साझा किए हुए उनके अनुभव आज भी अमूल्य हैं।

अस्थमा और दूसरी बीमारियों से परेशान रहने के बावजूद वे अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर लंबे समय तक काम करते रहे थे। केदारनाथ साहनी जी का इस संसार से विदा लेना मेरे लिए निजी क्षति थी। उनके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति महसूस करता था कि वे अपने सिद्धांतों के प्रति कितने प्रतिबद्ध थे। वे स्वयं एक संस्था की तरह थे। वे चाहे दिल्ली बीजेपी में रहे हों या फिर केंद्रीय संगठन में, कार्यकर्ता उनके पास निरंतर मार्गदर्शन के लिए जाते रहते थे। उनका बहुआयामी व्यक्तित्व देश की भावी युवा पीढ़ी को सदैव ही एक प्रेरणास्रोत बनकर मार्गदर्शन देता रहेगा। ■

समाजवादी पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव का निधन

समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक, पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर को निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे।

प्रधानमंत्री ने मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वरिष्ठ राजनेता श्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री यादव ने पूरी लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जेपी और डॉ. लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

श्री मोदी ने उस समय का भी स्मरण किया जब श्री यादव रक्षा मंत्री थे और उन्होंने भारत को और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया। श्री यादव के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके विचार सुनने के लिए उत्सुक रहते थे और उनकी बैठकों की तस्वीरें भी साझा करते थे। श्री मोदी ने श्री यादव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

ट्वीट्स की एक शृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री मुलायम सिंह यादव जी

एक उल्लेखनीय व्यक्तित्व के मालिक थे। उन्हें एक विनम्र और जमीन से जुड़े नेता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया, जो लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जेपी और डॉ. लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

श्री मोदी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जी ने उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में स्वयं को स्थापित किया। वह आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के लिए एक प्रमुख सिपाही थे। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने एक मजबूत भारत के लिए काम किया। उनकी संसदीय कार्य-प्रणाली व्यावहारिक थी और वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने पर जोर देते थे।

उन्होंने कहा कि जब हमने अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में कार्य किया, तो मुलायम सिंह यादव जी के साथ मेरी कई बार बातचीत हुई। घनिष्ठता जारी रही और मैं हमेशा उनके विचारों को सुनने के लिए उत्सुक रहता था। उनका निधन मेरे लिए पीड़ादायक है। उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

मुलायम सिंह यादव जी का राजनीतिक कौशल अद्भुत था: भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट कर कहा कि मुलायम सिंह यादव जी का राजनीतिक कौशल अद्भुत था। दशकों तक उन्होंने भारतीय राजनीति का एक स्तंभ बनकर समाज व राष्ट्र की सेवा की। जमीन से जुड़े परिवर्तनकारी, सामाजिक सद्भाव के नेता, आपातकाल में लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्षधर के रूप में वे सदैव याद किए जाएंगे। उनका जाना अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ है। प्रभु उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें, परिजनों व समर्थकों को दुःख सहन करने का सामर्थ्य प्रदान करें। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में हुए शामिल

गत 27 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी टोक्यो के निप्पॉन बुडोकन में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राजकीय अंतिम संस्कार में 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री आबे की स्मृति को सम्मान दिया, जिन्हें वे अपना प्रिय मित्र और भारत-जापान साझेदारी का एक महान समर्थक मानते थे।

राजकीय अंतिम संस्कार के बाद श्री मोदी ने अकासाका पैलेस में प्रधानमंत्री श्री आबे की पत्नी श्रीमती अकी आबे के साथ एक निजी बैठक की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीमती आबे के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अपनी स्नेहपूर्ण मित्रता और भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में पूर्व प्रधानमंत्री श्री आबे द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री श्री किशिदा के साथ एक संक्षिप्त बातचीत में अपनी संवेदना को दोहराया। ■

भारत सरकार ने पिछले 8 सालों में पूर्वोत्तर के विकास के लिए अनेक प्रयास किए: अमित शाह

पूर्वोत्तर की भाषा, संस्कृति, खानपान और वेशभूषा को पूरा भारत अपनी धरोहर मानता है और इस क्षेत्र की पहचान को बचाए रखने और इसके संवर्धन के लिए मोदी सरकार प्रयासरत है

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नौ अक्टूबर को असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर परिषद् की 70वीं पूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्वोत्तर के राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उत्तरपूर्वी मामलों के केन्द्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, उत्तरपूर्वी मामलों के राज्यमंत्री श्री बी.एल. वर्मा सहित केन्द्र और पूर्वोत्तर के राज्यों के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर के विकास की राह में दशकों से तीन प्रमुख बाधाएं थीं— उग्रवादी समूहों द्वारा हिंसा और अशांति, पूर्वोत्तर में रेल, सड़क और हवाई संपर्क की कमी और पिछली सरकारों का पूर्वोत्तर के विकास पर जोर न देना। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के लिए पूर्वोत्तर का विकास कभी प्राथमिकता नहीं रहा, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने पिछले 8 सालों में पूर्वोत्तर में शांति लाने, हर प्रकार की कनेक्टिविटी बढ़ाने और इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के पूर्वोत्तर की भाषाओं, संस्कृतियों, खानपान और वेशभूषा को पूरा भारत अपनी धरोहर मानता है और इस क्षेत्र की नैसर्गिक पहचान को बचाए रखने और इसके संवर्धन के लिए मोदी सरकार हर तरह से प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 8 वर्षों में पूर्वोत्तर की सभी समस्याओं के मूल को जानकर उनके निवारण के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

श्री शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, पर्यटन, वनीकरण और कृषि के लिए NESAC के आंकड़ों का भरपूर उपयोग करने और उनका फायदा उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राज्यों में NESAC के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें, जिससे इस मंच का अधिकतम और बेहतर उपयोग हो सके।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार का मानना है कि देश की सभी भाषाओं को एक साथ लेकर ही देश का सर्वांगीण विकास संभव है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ये प्रावधान रखा गया है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में ही होनी चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में विश्व में पांचवे स्थान पर है और इसे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंचाने में योगदान देने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों द्वारा वित्तीय अनुशासन आवश्यक है।

मोदी सरकार के लिए प्राकृतिक कृषि और डिजिटल कृषि प्राथमिकता का विषय

प्राकृतिक कृषि और डिजिटल खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार के लिए प्राकृतिक कृषि और डिजिटल कृषि प्राथमिकता का विषय हैं और प्राकृतिक उत्पादों के प्रमाणन के लिए अमूल और 5 अन्य सहकारी समितियों को मिलाकर एक बहुराज्यीय सहकारी समिति बनाने पर काम हो रहा है।

उन्होंने कहा कि ये सहकारी समिति इन उत्पादों के प्रमाणन के बाद इनके निर्यात को भी सुनिश्चित करेगी, जिससे इनसे होने वाली अधिक आय का मुनाफा सीधे किसानों के बैंक खातों में जाएगा। श्री शाह ने कहा कि देशभर में 500 से अधिक प्रयोगशालाएं मिट्टी और प्राकृतिक उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणन करेंगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बाढ़मुक्त और नशामुक्त पूर्वोत्तर जैसे महत्वपूर्ण अभियानों के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है। बाढ़ रोकने के उपायों पर श्री शाह ने कहा कि हाइड्रो पावर प्लांट का उद्देश्य केवल ऊर्जा उत्पादन नहीं है, बल्कि इनका उपयोग बाढ़ की रोकथाम में भी किया जा सकता है। इसके अलावा 271 वेटलैंड्स के आदर्श उपयोग से भी बाढ़ रोकने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से मुक्त रखने का अनुरोध किया। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

निःस्वार्थ सेवा की कहानी
एस. मल्लिकार्जुनैया
(26 जून, 1931 - 13 मार्च, 2014)
सक्रिय वर्ष: 1951 - 1999
स्थान - राज्य / जिला - तुमकुर, कर्नाटक

सदैव पार्टी कार्यकर्ताओं को गरीबों और शोषितों के मुद्दों उठाने के लिए प्रोत्साहित किया

खेतिहर मजदूरी करने वाले एक सामान्य आर्थिक स्थिति वाले परिवार से संबंध रखने वाले श्री मल्लिकार्जुनैया ने भारतीय जनसंघ को प्रदेश में स्थापित करने के लिए पूरे जोश के साथ कार्य किया और इसके लिए प्रदेश भर का दौरा किया। आपातकाल की घोषणा से पहले श्री मल्लिकार्जुनैया ने भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। मृदुभाषी, सौम्य और निर्भीक मल्लिकार्जुनैया सादगी, विनम्रता और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता एवं समर्पण के प्रतीक थे। उन्होंने हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं को गरीबों और शोषितों के मुद्दों को उठाने, उनके अधिकारों के लिए लड़ने और अन्याय का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री मल्लिकार्जुनैया ने हमेशा पार्टी मंचों पर कार्यकर्ताओं के हितों की बात को पूरी प्रबलता के साथ रखी। एक ऐसी बात जो उन्हें कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाती है, वह यह है कि उन्होंने कभी भी किसी भी परिस्थिति में कार्यकर्ताओं का साथ नहीं छोड़ा, चाहे वह शुभ अवसर हो या अशुभ। यही कारण है कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय रहे। वह कार्यकर्ताओं और स्नातक मतदाताओं के बीच कितने लोकप्रिय थे, इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने लगातार पांच बार स्नातक चुनाव जीतकर कर्नाटक विधान परिषद् में प्रवेश किया।

उन्हें सर्वसम्मति से कर्नाटक विधान परिषद् के उपाध्यक्ष के रूप में भी चुना गया। उन्होंने सदन के सभी दलों के प्रति निष्पक्ष रहकर एक पेशेवर, उद्देश्यपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से विधानमंडल की कार्यवाही का संचालन किया। उनकी निःस्वार्थ सार्वजनिक सेवा ने उन्हें 1991 में तुमकुर लोकसभा सीट से विजयी बनाया। उन्हें लोकसभा का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। कर्नाटक विधान परिषद् के उपाध्यक्ष के रूप में उनके ज्ञान और अनुभव का लाभ उन्हें लोकसभा के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारियों को पूरा करने में मिला, जिससे उन्हें बहुत सम्मान मिला। ■

मोदी स्टोरी

प्रधानमंत्री मोदी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के लिए जाने जाते हैं

अर्जुन राम मेघवाल

केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रोटोकॉल और नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए जाने जाते हैं। अनुशासित जीवन शैली के प्रति उनका समर्पण अनुकरणीय है। केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल वर्ष 2018 की ऐसी ही एक घटना को याद करते हैं जब राज्यसभा के उपसभापति के चयन के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही थी।

यह एक सामान्य प्रोटोकॉल है कि अगर प्रधानमंत्री राज्यसभा के सदस्य हैं, तो वह चुनाव की कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं। लेकिन अगर प्रधानमंत्री लोकसभा के सदस्य हैं, तो उन्हें चुनाव खत्म होने तक राज्यसभा के भीतर जाने के लिए इंतजार करना होता है। चुनाव के बाद प्रधानमंत्री सदन में प्रवेश कर सकते हैं और राज्यसभा के नव निर्वाचित उपसभापति के बारे में अपनी बात रख सकते हैं।

चुनाव की प्रक्रिया के दौरान श्री अर्जुन राम मेघवाल को प्रधानमंत्री को सदन में लाना था। जब श्री मेघवाल प्रधानमंत्री के कार्यालय गए, तो प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनसे चुनाव की कार्यवाही के बारे में पूछा और प्रक्रिया समाप्त होने पर उन्हें सूचित करने के लिए कहा। इसलिए, जब चुनाव लगभग समाप्त हो रहा था, श्री मेघवाल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से अपने साथ राज्यसभा के सदन में चलने का आग्रह किया। दोनों नेता जब लॉबी पार कर रहे थे, तभी किसी ने सूचना दी कि चुनाव प्रक्रिया अभी जारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लॉबी में ही इंतजार करने का फैसला किया।

जब सुरक्षाकर्मियों ने प्रधानमंत्री को लॉबी में बैठे देखा तो उन्होंने अंदर आने का अनुरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने इनकार कर दिया और उनसे इस बात को स्पष्ट करने को कहा कि क्या लोकसभा का कोई सदस्य चुनाव के दौरान राज्यसभा में प्रवेश कर सकता है। तब सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सूचित किया कि नियम कहते हैं कि वह सदन में तभी प्रवेश कर सकते हैं जब अध्यक्ष उन्हें प्रवेश करने की अनुमति दें। इस पर श्री मोदी ने जवाब दिया कि वह किसी भी हाल में सदन के नियम नहीं तोड़ेंगे।

श्री मेघवाल बताते हैं कि श्री मोदी के प्रोटोकॉल का पालन करने के सख्त व्यवहार ने लॉबी में मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। ■

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना का किया उद्घाटन

गत 30 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन किया और कालूपुर स्टेशन से दूरदर्शन केंद्र मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की। मेट्रो में यात्रा के दौरान श्री मोदी ने छात्रों, खिलाड़ियों और आम यात्रियों के साथ बातचीत की। मेट्रो रेल में मौजूद कई यात्रियों ने प्रधानमंत्री के ऑटोग्राफ भी लिए।

प्रधानमंत्री ने नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर को गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस को गांधीनगर स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और वहां से कालूपुर रेलवे स्टेशन तक उस ट्रेन से यात्रा की।

श्री मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 के ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और ऑनबोर्ड सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 के लोकोमोटिव इंजन के कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया। श्री मोदी ने रेल कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों, महिला उद्यमियों और अनुसंधानकर्ताओं और युवाओं सहित अपने सह-यात्रियों के साथ भी बातचीत की।

अंबाजी में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला और लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितंबर को अंबाजी में 7200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए 45,000 से अधिक आवासों की आधारशिला रखते हुए उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने प्रसाद योजना के तहत तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड न्यू ब्रॉड गेज लाइन और अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं के विकास की भी आधारशिला रखी।

सूरत में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 सितंबर को सूरत में 3400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। श्री मोदी ने सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों के पहले चरण और डायमंड रिसर्च एंड मर्केंटाइल (ड्रीम) शहर के मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने परियोजना के दूसरे चरण का शिलान्यास भी किया। इसके अलावा, श्री मोदी ने जैव विविधता पार्क की आधारशिला रखी, जो डॉ. हेडगेवार ब्रिज से भीमराड-बमरोली ब्रिज तक 87 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने सूरत के विज्ञान केंद्र में खोज संग्रहालय का भी उद्घाटन किया।

श्री मोदी ने विभिन्न आवास योजनाओं के सात लाभार्थियों को चाबियां सौंपी और मुख्यमंत्री गौमाता पोषण योजना का शुभारंभ करते हुए गौशालाओं को चेक प्रदान किए। उन्होंने कुछ आवास लाभार्थियों के साथ वीडियो लिंक के माध्यम से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या में लता मंगेशकर चौक का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 सितंबर को वीडियो संदेश के माध्यम से अयोध्या में लता मंगेशकर चौक के उद्घाटन के अवसर पर सभा को संबोधित किया।

इस आयोजन को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने प्रत्येक भारतीय की पूजनीय और स्नेह मूर्ति लता दीदी को उनके जन्मदिन पर याद किया। उन्होंने कहा कि लता जी मां सरस्वती की एक ऐसी साधिका थीं, जिन्होंने अपनी दिव्य आवाज से पूरी दुनिया को दंग कर दिया। लता जी ने साधना की और वरदान हम सभी को मिला!

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि अयोध्या में लता मंगेशकर चौक पर स्थापित मां सरस्वती की विशाल वीणा, संगीत साधना का प्रतीक बनेगी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इस चौक परिसर में झील के बहते पानी में संगमरमर से बने 92 सफेद कमल लता जी के जीवन काल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस अभिनव प्रयास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और अयोध्या विकास प्राधिकरण को बधाई दी और सभी देशवासियों की ओर से लता जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ■

सभी के लिए जीवन की गरिमा सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने एम्स बिलासपुर राष्ट्र को समर्पित किया

गत पांच अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-105 पर पिंजौर से नालागढ़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का बनाने के लिए लगभग 31 किलोमीटर लंबी परियोजना की आधारशिला रखी, जिसकी लागत 1690 करोड़ रुपए है। श्री मोदी ने एम्स, बिलासपुर का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने नालागढ़ में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मेडिकल डिवाइस पार्क की आधारशिला भी रखी। श्री मोदी ने इसके बाद बांदला में गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पावन पर्व सभी को हर बाधा को पार करते हुए संकल्पित 'पंच प्रण' के मार्ग पर चलने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा। श्री मोदी ने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर हिमाचल में आने का अवसर मिलना भविष्य की हर जीत के लिए शुभ संकेत है।

हिमाचल प्रदेश में पिछले वर्षों में हुए विकास के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह लोगों का वोट है जो सभी विकास कार्यों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने राज्य और केंद्र में लोगों के विश्वास को श्रेय दिया जिसने सभी विकास कार्यों को गति दी है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से यही सोच थी कि शिक्षा, सड़क, उद्योग, अस्पताल जैसी सुविधाएं बड़े शहरों के लिए ही होती हैं। जहां तक पहाड़ी इलाकों की बात है तो वहां मूलभूत सुविधाएं भी सबसे आखिर में पहुंचीं। श्री मोदी ने कहा कि इससे देश के विकास में भारी असंतुलन पैदा हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में हिमाचल प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ

श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग छोटी-छोटी बातों के लिए चंडीगढ़ या दिल्ली जाने को मजबूर हैं। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने वह सब बदल दिया। श्री मोदी ने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश आईआईटी, आईआईएम और आईआईआईटी जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों से लैस है। उन्होंने कहा कि एम्स, बिलासपुर भारत में चिकित्सा शिक्षा के शीर्ष स्थान पर है, इसलिए यह बिलासपुर की महिमा में वृद्धि करेगा। श्री मोदी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में हिमाचल प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्रधानमंत्री ने सरकार में कामकाज की बदली हुई शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब परियोजनाओं के लोकार्पण की स्पष्ट समय-सीमा के साथ शिलान्यास किया जाता है।

राष्ट्र निर्माण में हिमाचल प्रदेश के योगदान के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 'राष्ट्र रक्षा' में हमेशा से हिमाचल का बड़ा योगदान रहा है और अब बिलासपुर में नए एम्स के उद्घाटन के साथ यह 'जीवन रक्षा' में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। श्री मोदी ने महामारी की चुनौती के बावजूद समय पर इसे पूरा करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकार की सराहना की।

परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण

हिमाचल प्रदेश में कई परियोजनाएं

राष्ट्रीय राजमार्ग-105 पर पिंजौर से नालागढ़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का बनाने के लिए लगभग 31 किलोमीटर लंबी परियोजना की आधारशिला रखी, जिसकी लागत 1690 करोड़ रुपए है। यह सड़क परियोजना अंबाला, चंडीगढ़, पंचकूला और सोलन/शिमला से बिलासपुर, मंडी और मनाली की ओर जाने वाले यातायात के लिए एक प्रमुख संपर्क लिंक है। चार लेन के इस राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 18 किमी का हिस्सा हिमाचल प्रदेश के अंतर्गत आता है और शेष भाग हरियाणा में पड़ता है। यह राजमार्ग हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक केंद्र नालागढ़-बद्दी में बेहतर परिवहन सुविधा सुनिश्चित करेगा और क्षेत्र में औद्योगिक विकास को भी गति देगा। इससे राज्य में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

एम्स बिलासपुर

एम्स बिलासपुर के उद्घाटन के माध्यम से देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और संकल्प को फिर से प्रदर्शित किया गया है। श्री मोदी ने अक्टूबर, 2017 में इसका शिलान्यास भी किया था। केंद्रीय क्षेत्र की योजना— प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत इसे स्थापित किया जा रहा है।

एम्स बिलासपुर, 1470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित है। इस अत्याधुनिक अस्पताल में 18 स्पेशलिटी और 17 सुपर स्पेशियलिटी विभाग, 18 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 64 आईसीयू बेड के साथ 750 बेड शामिल है। यह अस्पताल 247 एकड़ में फैला है। यह 24 घंटे आपातकालीन और डायलिसिस सुविधाओं, अल्ट्रासोनोग्राफी, सीटी स्कैन, एमआरआई आदि जैसी आधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनों, अमृत फार्मेसी और जन औषधि केंद्र और 30 बिस्तरों वाले आयुष ब्लॉक से सुसज्जित है।

अस्पताल ने हिमाचल प्रदेश के आदिवासी और दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किया है। साथ ही, काजा, सलूनी और केलांग जैसे दुर्गम आदिवासी और अधिक ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से अस्पताल द्वारा विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस अस्पताल में हर साल एमबीबीएस कोर्स के लिए 100 छात्रों और नर्सिंग कोर्स के लिए 60 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा।

गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, बंदला

प्रधानमंत्री ने बंदला में गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन किया। इस पर लगभग 140 करोड़ रुपये का व्यय होगा। इस कॉलेज से पनबिजली परियोजनाओं के लिए प्रशिक्षित कामगार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। हिमाचल प्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में से एक है। इससे युवाओं के कौशल को बढ़ाने और पनबिजली क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर प्रदान करने में मदद मिलेगी।

मेडिकल डिवाइस पार्क, नालागढ़

प्रधानमंत्री ने नालागढ़ में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले मेडिकल डिवाइस पार्क की आधारशिला भी रखी। इस मेडिकल डिवाइस पार्क में उद्योग स्थापित करने के लिए 800 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापन पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस परियोजना से क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ■

गांधी जयंती पर विशेष (2 अक्टूबर)

पोरबंदर में गांधी जी का घर हमें क्या सिखाता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है, "हमारे किसान को पानी दो और देखें कि हमारा किसान क्या कर सकता है।"

श्री मोदी प्रायः इस बात को दोहराते हैं, "जब मैंने पहली बार मुख्यमंत्री का पद संभाला था, तो किसान मेरे पास आते थे और कहते थे कि हमें बिजली की जरूरत है। नागरिक आते थे और कहते थे, कम से कम हमारे शाम के भोजन के दौरान हमें बिजली प्रदान करें। मैंने उनसे कहा कि हां, हो जाएगा लेकिन आप सब पानी पर ध्यान दें। जल है तो कल है (अगर पानी है तो एक उज्ज्वल भविष्य है)। संतोष है कि उन्होंने मेरे सुझाव पर ध्यान दिया और 24 घंटे बिजली के साथ-साथ जल स्तर में भी वृद्धि हुई है।"

जल संरक्षण भारत सरकार के लिए अत्यधिक ध्यान देने वाला क्षेत्र है। देश भर में जल संसाधनों और स्वच्छ नदियों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए अभिनव साधनों पर विचार किया जा रहा है।

इस संबंध में महात्मा गांधी से बहुत कुछ सीखना है। प्रधानमंत्री ने पोरबंदर में गांधी जी के घर का एक आकर्षक उदाहरण दिया, जहां पानी का संरक्षण किया जाता है। उन्होंने अप्रैल, 2016 में 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान कहा था, "मैंने हमेशा कहा है कि जो लोग पोरबंदर में महात्मा गांधी के घर जाते हैं, उन्हें वहां लगभग 200 साल पहले बने भूमिगत टैंकों को भी देखना चाहिए, जिन्हें बारिश का पानी बचाने के लिए बनाया गया था। इन टंकियों में एकत्रित पानी शुद्ध रहता था।"

गांधी जी ने अपने अनोखे तरीके से हमें जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पेयजल और उनके उपयोग के लिए पर्याप्त पानी मिले।

स्रोतः @मोदी आर्काइव ■

मंत्रिमंडल के फैसले

एकमुश्त अनुदान राशि देने के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी

घरेलू एलपीजी में नुकसान के लिए पीएसयू ओएमसी को एकमुश्त अनुदान के रूप में 22,000 करोड़ रुपये की मिली मंजूरी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 अक्टूबर को सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों (पीएसयू ओएमसी) को 22,000 करोड़ रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि देने के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। ये अनुदान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के बीच वितरित किया जाएगा।

इस मंजूरी से पीएसयू ओएमसी को आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखने में मदद मिलेगी। इससे घरेलू एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी और मेक इन इंडिया उत्पादों की खरीद का समर्थन भी होगा।

घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों जैसे आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल द्वारा उपभोक्ताओं को विनियमित कीमतों पर की जाती है।

जून, 2020 से जून, 2022 की अवधि के दौरान एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगभग 300 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए घरेलू एलपीजी के उपभोक्ताओं पर इस लागत वृद्धि को पूरी तरह से लागू नहीं किया गया था। ऐसे में इस अवधि के दौरान घरेलू एलपीजी की कीमतों में सिर्फ 72 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे इन ओएमसी कंपनियों को काफी नुकसान हुआ है। इन नुकसानों के बावजूद तीन पीएसयू ओएमसी ने देश में इस आवश्यक खाना पकाने के ईंधन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम-डिवाइन)' को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 अक्टूबर को एक नई योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम-डिवाइन) को वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक 15वें वित्त आयोग के शेष चार वर्षों के लिए मंजूरी दी। 100 प्रतिशत केन्द्रीय वित्त पोषण के साथ पीएम-डिवाइन नाम की नई योजना केन्द्रीय क्षेत्र की एक योजना है और इसे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय (डोनर) द्वारा लागू किया जाएगा। पीएम-डिवाइन योजना में 2022-23 से 2025-26 (15वें वित्त आयोग की अवधि के शेष वर्षों) तक चार साल की अवधि में 6,600 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा।

पीएम-डिवाइन परियोजनाओं को वर्ष 2025-26 तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा ताकि इस वर्ष के बाद कोई प्रतिबद्ध देनदारी न हो। इसका तात्पर्य मुख्य रूप से 2022-23 और 2023-24 में योजना के तहत प्रतिबंधों के लिए अधिकतम प्रयास करना है, जबकि 2024-25 और 2025-26 के दौरान खर्च जारी रहेगा, मुख्य ध्यान पीएम-डिवाइन परियोजनाओं को पूरा करने पर दिया जाएगा।

पीएम-डिवाइन योजना बुनियादी ढांचे के निर्माण, उद्योगों, सामाजिक विकास परियोजनाओं को सहयोग देगी और युवाओं व महिलाओं के लिए आजीविका सृजित करेगी, जिससे रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। पीएम-डिवाइन को पूर्वोत्तर परिषद् या केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों के माध्यम से डोनर मंत्रालय द्वारा लागू किया जाएगा। पीएम-डिवाइन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का पर्याप्त संचालन और रख-रखाव सुनिश्चित करने के उपाय किए जाएंगे, ताकि वे टिकाऊ रहें। सरकारी परियोजनाओं के समय और लागत में वृद्धि के निर्माण जोखिमों को सीमित करने के लिए, जहां तक संभव होगा, उन्हें इंजीनियरिंग-खरीद-निर्माण (ईपीसी) के आधार पर लागू किया जाएगा। ■

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता आधारित बोनस भुगतान की मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 अक्टूबर को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रेल कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस (पीएलबी) के भुगतान को कार्योत्तर मंजूरी दी। पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान प्रत्येक वर्ष दशहरा/पूजा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। इस वर्ष भी लगभग 11.27 लाख अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिन के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रति पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए दी जाने वाली अधिकतम राशि 17,951 रुपये है।

उपरोक्त राशि का भुगतान विभिन्न श्रेणियों में किया गया है। जैसेकि—ट्रैक मेंटेनर, ड्राइवर और गार्ड, स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, कंट्रोलर, पॉइंट्समैन, मिनिस्टीरियल स्टाफ और अन्य ग्रुप 'सी' का स्टाफ। रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के पीएलबी के भुगतान का वित्तीय खर्च 1832.09 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है। पीएलबी के भुगतान का उपरोक्त निर्णय कोविड-19 के बाद की चुनौतियों के कारण उपजी प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के बावजूद लिया गया है। ■

भारत के डिजिटल भुगतान का बदलता परिदृश्य

हाल के वर्षों में भारत ने अपनी शासन व्यवस्था में तकनीकी क्रांति को देखा है। सरकारी सेवाओं को धीरे-धीरे और लगातार तकनीक के साथ जोड़ा जा रहा है और आज अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं माउस के केवल एक क्लिक के साथ कुछ ही सेकंडों में पहुंच रही हैं। वित्तीय क्षेत्र और अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने की भारत सरकार की रणनीति के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान लेन-देन लगातार बढ़ रहे हैं।

भारत के परिवर्तित डिजिटल भुगतान परिदृश्य के केंद्र में प्रमुख प्रवर्तक जैम ट्रिनिटी— जन धन, आधार और मोबाइल है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है, जिसे अगस्त, 2014 में शुरू किया गया था, ताकि बैंकिंग सेवाओं से दूर प्रत्येक परिवार को इसके दायरे में लाया जा सके।

जन-धन खातों, आधार और मोबाइल सेवाओं ने एक साथ मिलकर 'डिजिटल इंडिया' की नींव रखने में मदद की है, जिसके माध्यम से बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों तक सरकारी सेवाओं को सुगमता से पहुंचाया जा रहा है।

भारत में डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र

डिजिटल इंडिया का एक प्रमुख उद्देश्य 'फेसलेस, पेपरलेस, कैशलेस' सेवाओं के लक्ष्य को हासिल करना है। हमारे देश के प्रत्येक वर्ग को डिजिटल भुगतान सेवाओं के दायरे में लाने के लिए भारत सरकार द्वारा डिजिटल भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसका उद्देश्य भारत के सभी नागरिकों को सुविधाजनक, आसान, किफायती, त्वरित और सुरक्षित तरीके से निर्बाध डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करना है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में डिजिटल भुगतान लेन-देन में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। डिजिटल भुगतान के आसान और सुविधाजनक तरीके जैसे भारत इंटरफेस फॉर मनी-यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (भीम-यूपीआई); तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस); प्री-पेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) सिस्टम में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है और व्यक्ति-से-व्यक्ति (पीटूपी) के साथ-साथ व्यक्ति-से-व्यापारी (पीटूएम) भुगतानों को गति देकर डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को बदला जा रहा है।

भारत सरकार ने डिजिटल भुगतान समाधान ई-रुपी भी लॉन्च किया, जो डिजिटल भुगतान के लिए एक कैशलेस और संपर्क रहित साधन है, जिससे देश में डिजिटल लेनदेन में बढ़ोत्तरी के साथ ही प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। इन सभी सुविधाओं ने मिलकर एक डिजिटल वित्त अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है।

दुनिया में डिजिटल भुगतान में अग्रणी 'भारत'

- भारत लगभग 40 प्रतिशत रीयल-टाइम डिजिटल भुगतान के साथ दुनिया में सबसे आगे है।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में डिजिटल भुगतान में साल-दर-साल 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- भारत ने 2021 (48.6 बिलियन) में वास्तविक समय के लेनदेन की सबसे बड़ी संख्या को हासिल किया है— यह निकटतम चुनौती देने वाले चीन (2021 में 18 बिलियन लेनदेन) की तुलना में लगभग तीन गुना और दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं— अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (7.5 बिलियन) के संयुक्त वास्तविक समय भुगतान की तुलना में लगभग सात गुना अधिक है।
- यूपीआई के माध्यम से जुलाई में 6.28 बिलियन लेन-देन हुए, जिसका कुल मूल्य 10.62 ट्रिलियन रुपये था, जो 2016 में शुरुआत के बाद से सबसे अधिक है।
- बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का डिजिटल भुगतान बाजार 2026 तक तीन ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 10 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा।
- डिजिटल भुगतान (गैर-नकद) 2026 तक सभी भुगतानों का लगभग 65 प्रतिशत होगा, यानी 3 में से 2 लेनदेन डिजिटल होंगे।

यूपीआई: डिजिटल भुगतान में क्रांति

यूपीआई को भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में एक क्रांतिकारी उत्पाद बताया गया है। इसका शुभारंभ 2016 में किया गया, यह आज डिजिटल लेनदेन करने के लिए देश में सबसे लोकप्रिय उपकरणों में से एक के रूप में उभरा है।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को एक आदत बनाने और भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर मजबूती से खड़ा करने में एक लंबा सफर तय किया है। अकेले अगस्त, 2022 में 346 बैंक यूपीआई इंटरफेस पर मौजूद थे, जिसके माध्यम से 6.58 बिलियन वित्तीय लेनदेन हुए हैं, जिसका कुल मूल्य 10.73 लाख करोड़ रुपए है।

यूपीआई के माध्यम से वर्तमान में 40 प्रतिशत से अधिक डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। यूपीआई का लाभ छोटे व्यवसायों और रेहड़ी-पटरी वालों को भी हुआ है, क्योंकि इसके माध्यम से कम राशि के लेनदेन को भी तेजी से और सुरक्षित तरीके से किया जा सकता है। यह प्रवासी श्रमिकों के लिए त्वरित धन हस्तांतरण की सुविधा भी प्रदान करता है। ■

केंद्र सरकार ने भारतीय वायु सेना में हथियार प्रणाली शाखा के निर्माण को दी मंजूरी

यह शाखा भारतीय वायु सेना की युद्ध लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में अत्यधिक योगदान देगी

रक्षा मंत्रालय द्वारा आठ अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय वायु सेना के लिए एक ऐतिहासिक कदम में केंद्र सरकार ने एक नई शाखा के निर्माण को मंजूरी दी, जिसका नाम हथियार प्रणाली (डब्ल्यूएस) शाखा रखा गया है।

डब्ल्यूएस शाखा का निर्माण सभी हथियार प्रणाली ऑपरेटर एकीकृत होकर एक सत्ता के अंतर्गत आ जाएंगे, जो सभी ज़मीन आधारित एवं विशेष एयरबोर्न हथियार प्रणालियों के सैन्य अभियान संबंधी नियंत्रण के लिए समर्पित होगी।

यह शाखा सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, दूर से संचालित विमान और ट्विन/एक से अधिक चालक दल वाले विमानों में हथियार प्रणाली ऑपरेटरों की चार विशेष धाराओं में ऑपरेटरों को शामिल करेगी। यह शाखा भारतीय वायु सेना की युद्ध लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में अत्यधिक योगदान देगी। ■

भारत 7.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में 'चमकता सितारा' होगा: एसएंडपी

साख निर्धारित करने वाली अमेरिकी एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 29 सितंबर को कहा कि विभिन्न देशों में नीतिगत दर में वृद्धि तथा यूरोप में ऊर्जा को लेकर असुरक्षा से लगभग हर देश की आर्थिक वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन इसके उलट भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है और वह इस लिहाज से उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं में चमकता सितारा (स्टार) होगा।

एसएंडपी ने एक रिपोर्ट में कहा कि विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के बीच तंग होती वित्तीय स्थिति के साथ वैश्विक वृहत आर्थिक तत्वों का प्रदर्शन अगली कुछ तिमाहियों में वृद्धि में नरमी का संकेत दे रहे हैं।

एसएंडपी ने कहा कि हमने चीन को छोड़कर 16 उभरती अर्थव्यस्थाओं को शामिल किया है। इनकी वृद्धि दर इस साल 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत चालू वित्त वर्ष (2022-23) में 7.3 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ इस मामले में 'स्टार' होगा। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

राजघाट (दिल्ली) में 02 अक्टूबर, 2022 को महात्मा गांधी की 153वीं जयंती पर उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

विजय घाट (दिल्ली) में 02 अक्टूबर, 2022 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 01 अक्टूबर, 2022 को इंडिया मोबाइल कांग्रेस के छठे संस्करण का उद्घाटन और 5जी सेवाओं का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गांधीनगर (गुजरात) में 30 सितंबर, 2022 को गांधीनगर और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) का 5 अक्टूबर, 2022 को उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

टोक्यो (जापान) में 27 सितंबर, 2022 को द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री फुमियो किशिदा

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह